APPROVED BY DAVP

दैनिक सांध्यकालीन

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

मेट्रो खबर

वर्ष-15 अंक-342 | भोपाल, सोमवार 09 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

सीएम मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु की हो गई सगाई

- खरगोन के बड़े किसान की बेटी डॉक्टर इशिता बनेंगी यादव परिवार की बहू

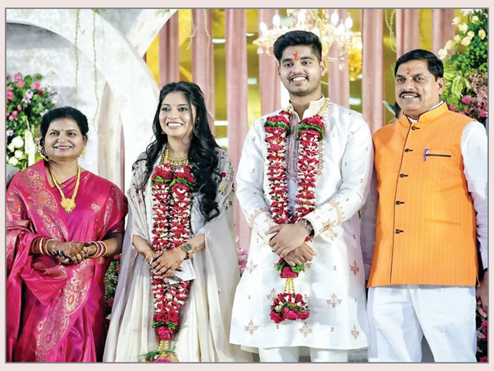

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की सगाई भोपाल में एक सादे समारोह में हुई। खरगोन के सेल्दा गांव की रहने वाली इशिता सीएम मोहन यादव के परिवार की बहू बनेंगी। डॉ. इशिता सेल्दा के बड़े किसान दिनेश यादव (पटेल) की बेटी हैं। सगाई समारोह दोनों परिवारों के परिजन और करीबी रिश्तेदारों की मौजूदगी में सीएम हाउस में हुआ। इस दौरान बीजेपी के भी कई नेता मौजूद रहे। सीएम डॉ. मोहन यादव और सीमा यादव के दो बेटे और एक बेटी है। बड़े बेटे और बेटी की शादी पहले ही हो चुकी है।

सीएम ने बेटे की सगाई की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा- बाबा श्री महाकाल और श्री गोपाल कृष्ण की परम कृपा और पूज्य पिता और माताश्री के आशीर्वाद से पुत्र चिरंजीवी डॉ. अभिमन्यु यादव की सगाई, खरगोन के दिनेश यादव जी की सुपुत्री डॉ. इशिता यादव के साथ संपन्न हुई। सीएम हाउस में आयोजित सगाई समारोह में दोनों ने पारंपरिक पूजन के बाद एक-दूसरे को अंगूठी पहनाकरनए अध्याय की शुरुआत की।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में प्रवासियों का हिंसक प्रदर्शन

- पुलिस पर पटाखे-पत्थर फेंके, ट्रम्प ने 2000 नेशनल गार्ड्स भेजे

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में दो दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय समयानुसार रविवार सुबह पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे। साथ ही हाथों में मेक्सिको का झंडा लेकर लॉस एंजिल्स से बाहर जाओ' जैसे नारे भी लगाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि एक हजार प्रदर्शनकारियों ने एक संघीय भवन को घेरकर अधिकारियों पर हमला किया। लॉस एंजिलिस में कई इलाकों में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के एजेंटों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुई हैं। झड़पों के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। इस सप्ताह लॉस एंजिल्स में इस ऑपरेशन के तहत 118 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सिर्फ शुक्रवार को ही 44 लोग पकड़ गए हैं। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम ने इन छापों को क्रूर कार्रवाई कहा है। न्यूजम ने ट्रंप से फोन पर भी बात की है लेकिन इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। वाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप कैलिफोर्निया में बढ़ती अराजकता से निपटने के लिए कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के जवानों को तैनात कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पर लिखा, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम और लॉस एंजिल्स के मेयर अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए संघीय सरकार अराजतका का समाधान उसी तरह करेगी, जिस तरह इसका हल किया जाना चाहिए।

संरक्षक लुटेरा बन जाए, तो उसे सजा देना जरूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला, आईटीबीपी जवान की बर्खास्तगी को रखा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि जब संरक्षक ही लुटेरा बन जाए जो उसे सजा देना जरूरी हो जाता है। इसी के साथ कोर्ट ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसने कैश लूट मामले में एक कॉन्स्टेबल को बर्खास्त कर दिया था। मामला साल 2005 का है, कॉन्स्टेबल को जवानों की सैलरी के लिए लाए गए कैश बॉक्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। बाद में कॉन्स्टेबल ने बॉक्स का ताला तोड़कर कैश निकाल लिया था। आईटीबीपी ने उसे नौकरी से निकाल दिया था। बाद में जवान उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंचा, जहां कोर्ट ने आईटीबीपी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने शुक्रवार को उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए कहा कहा कि, इस तरह के अपराधों में दोषी पाए गए कॉन्स्टेबल को उचित दंड देना अनुशासनात्मक प्राधिकारी का कर्तव्य है। कोर्ट ने कहा- जब बात सुरक्षाबलों की हो, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि, जहां जिम्मेदारी की बात हो तो अर्धसैनिक बलों में इसकी भावना और अधिक होनी चाहिए। जहां अनुशासन, नैतिकता, निष्ठा, सेवा के प्रति समर्पण

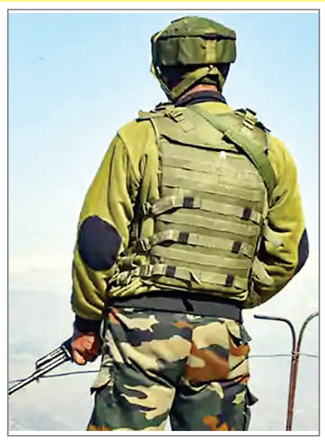

और विश्वसनीयता नौकरी के लिए आवश्यक हैं। कोर्ट ने कहा कि कॉन्स्टेबल जागेश्वर सिंह एक अनुशासित अर्धसैनिक बल का सदस्य था, जो एक संवेदनशील सीमा क्षेत्र में तैनात था। उसे कैश बॉक्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, उसने अपने विश्वास और भरोसे को दरकिनार कर कैश बॉक्स को तोड़ दिया। कॉन्स्टेबल जागेश्वर सिंह को 30 नवंबर, 1990 को आईटीबीपी में भर्ती किया गया था और वह 4-5 जुलाई, 2005 की मध्यरात्रि को कोटे में संतरी के रूप में ड्यूटी कर रहा था, जहां जवानों को सैलरी के रूप में दिए जाने वाले लाखों रुपए से भरे कैश बॉक्स रखे हुए थे। सिंह ने कथित तौर पर ताला तोड़ दिया और नकदी ले ली, इसके बाद कैश बॉक्स को कोटे से लगभग 200 गज की दूरी पर छिपा दिया और पोस्ट से भाग गया। जब घटना कंपनी कमांडर को पता चली तो उन्होंने तुरंत आस-पास के इलाके के साथ-साथ उत्तरकाशी की ओर जाने वाले वाहन की भी तलाशी ली, लेकिन आरोपी भाग निकला। कंपनी कमांडर ने तब मामले की सूचना बटालियन के कमांडिंग ऑफीसर को दी और बाद में 6 जुलाई, 2005 को कॉन्स्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर के बाद कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी हुई, जिसमें जवान दोषी पाया गया।

पंचतत्व में विलीन हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद सुनील

मुखाग्नि देकर 14 साल के बेटे और पिता ने किया सैल्यूट

बक्सर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हवलदार सुनील सिंह यादव (46) रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। पैतृक गांव नरबतपुर में 14 साल के बेटे सौरभ यादव ने उन्हें रानी घाट पर मुखाग्नि दी। मुखाग्नि के बाद बेटे और बूढ़े पिता ने शहीद को सैल्यूट किया। इससे पहले जवान के गांव से 8 किमी पहले ही पार्थिव शरीर के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में लोग बाइक के साथ चले। हाथों में तिरंगा लिए वंदे मातरम् और भारत माता के नारे लगाते नजर आए।

शहीद की पार्थिव देह घर के बाहर अंतिम दर्शन के लिए रखी गई। इस दौरान पत्नी फूट-फूटकर रो पड़ी। बेटे ने श्रद्धांजलि दी। छोटे फौजी भाई ने सैल्यूट किया। फौजी भाई ने बताया- हमले में सुनील सिंह बुरी तरह घायल हुए थे। उनकी हालत क्रिटिकल थी। उनमें हिम्मत बहुत थी। वेंटिलेटर पर होने के बावजूद मुस्कुराते थे। कहते थे टेंशन मत लो। सुनील सिंह 9 मई को हमले में घायल हुए थे।

समंदर में लगातार अपनी शक्ति बढ़ा रहा है भारत

अब इंडियन कोस्ट गार्ड को मिली नई जेट्टी की सुविधा

'आईएनएस अर्नाला' 18 जून को होगा नौसेना में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने केरल के विझिनजाम बंदरगाह पर एक नई समर्पित जेट्टी का उद्घाटन किया। 76.7 मीटर लंबा यह अत्याधुनिक बर्थ भारतीय तटरक्षक बल जहाजों की त्वरित तैनाती और वापसी सुनिश्चित करेगा। इस जेट्टी से तटीय निगरानी, खोज और बचाव, तस्करी विरोधी अभियान और मछली पालन सुरक्षा जैसी अभियानों की तत्परता में वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह जेट्टी रणनीतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेनों से मात्र 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। यह विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट डीपवाटर पोर्ट के समीप है, जिससे यह भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर भारतीय तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के कमांडर, महानिरीक्षक भीष्म शर्मा, विझिनजाम इंटरनेशनल सी-पोर्ट लिमिटेड, केरल सरकार, केरल समुद्री बोर्ड, राज्य पुलिस, पोर्ट प्राधिकरण, भारतीय सेना, अदाणी पोर्ट्स प्रा. लि. और मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। महानिदेशक परमेश शिवमणि ने इस नई सुविधा को तटीय सुरक्षा संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने इस क्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित करने की दिशा में इसे मील का पत्थर करार दिया। समुद्र में भारत की शक्ति में लगातार इजाफा हो रहा है।

परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को तैयार हो गया ईरान

- राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने दिया बड़ा बयान, ट्रंप के दबाव में झुका शिया देश!

तेहरान (एजेंसी)। ईरान अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को तैयार है। इसकी जानकारी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि उनका देश अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी दबाव को स्वीकार नहीं करेगा। राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मूरत नूर्टलेउ के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। दरअसल, वह तेहरान और वाशिंगटन के बीच चल रही अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता पर टिप्पणी कर रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि ईरान की परमाणु गतिविधियां पूरी तरह से 'पारदर्शी' हैं और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी इसकी बार-बार पुष्टि की है।

गुम हो गया है मानसून! अभी और सताएगी गर्मी

- हफ्ते भर गर्मी में तपते रहेंगे उत्तर और पश्चिम भारत
- मौसम विभाग ने कहा-आगे नहीं बढ़ पा रहा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून के लिए कितना इंतजार करना पड़ेगा, यह सवाल सभी के जेहन में चल रहा है। अब भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान जाहिर किया है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत अभी करीब हफ्ते भर गर्मी में तपते रहेंगे। इसके बाद बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में अगले पांच दिनों में पारा 3-4 डिग्री सेल्सियस और ऊपर जाएगा। शनिवार को यहां पारा 40 डिग्री के आसपास पहुंच गया था। अनुमान है कि मंगलवार तक यह 44 डिग्री तक पहुंच जाएगा। इस तरह यह इस सीजन सबसे गर्म हफ्ता होगा। अभी तक दिल्ली में सबसे ज्यादा गर्मी 16 मई को पड़ी थी जब तापमान 42.3 रिकॉर्ड किया गया था। मॉनसून पिछले एक हफ्ते से आगे नहीं बढ़ा है। सूखी हवा के अवरोध के चलते 29 मई से मॉनसून की बढ़त थमी हुई है। अनुमान है कि अब 12 से 18 जून के हफ्ते में मॉनसून आगे बढ़ेगा। गौरतलब है कि अभी तक देश के कई हिस्सों में उस तरह से गर्मी नहीं पड़ रही है।

मैतेई नेता की गिरफ्तारी का विरोध, फिर जल उठा मणिपुर

इंफाल में भड़की हिंसा, 5 जिलों में कर्फ्यू और इंटरनेट बंद

इंफाल (एजेंसी)। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता करन सिंह को रविवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इनकी गिरफ्तारी की खबर फैलने के बाद शनिवार देर रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। सरकार ने 7 जून की रात 11.45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं।

इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है। मणिपुर में 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। प्रदर्शनकारियों ने खुद को आग लगाने की कोशिश की।

सोनम रघुवंशी केस में दो दिन में आए तीन अलग-अलग ट्विस्ट

बदल जाएगी 20 दिनों की कहानी, पांच सबसे बड़ी मिस्ट्री सामने आई

सोनम रघुवंशी

राजा रघुवंशी

भोपाल। सोनम रघुवंशी कहां है...यह सवाल उसके परिवार के साथ-साथ पूरे देश के सामने हैं। सोनम अपने पति राजा रघुवंशी के साथ इंदौर से 20 मई को मेघालय के शिलांग में हनीमून मनाने गई थी। दो दिन बाद ही दोनों लापता हो गए। दो जून को सोनम के पति का गहरी खाई में शव मिला है लेकिन सोनम का अभी कुछ पता नहीं चला है। सोनम केस में अब पांच सबसे बड़ी मिस्ट्री है, जिसे सुलझने के बाद उसका पता चल सकता है। दो दिन के अंदर ही इस केस में तीन ट्विस्ट आए है। इसकी सच्चाई सामने आई तो 20 दिन की पूरी कहानी बदल जाएगी। दरअसल, सोनम और राजा रघुवंशी की शादी दोनों परिवारों की मर्जी से 11 मई को हुई थी। शादी के बाद ही सोनम और राजा ने शिलांग के लिए हनीमून प्लान की थी। दोनों गुवाहाटी में मां कामख्या के दर्शन के बाद शिलांग में हनीमून मनाने पहुंच गए। शिलांग 21 मई को पहुंचे थे। अब सोनम केस में दो दिन में ट्विस्ट सामने आए हैं। पहला ट्विस्ट यह है कि गाइड अल्बर्ट पडे सामने आया है। पहली बार उसने मीडिया के सामने चुप्पी तोड़ी है। उसने कहा है कि सोनम और राजा के साथ तीन अन्य पुरुष थे। सोनम पीछे चल रही थी। राजा और वो तीनों लोग हिंदी में बात कर रहे थे। गाइड का कहना है कि हमें उनकी भाषा समझ में नहीं आ रही थी। वहीं, दूसरा ट्विस्ट यह है कि सोनम का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें वह रेनकोट पहने दिख रही है। पुलिस ने कुछ दिन पहले इसी रेन कोट को बरामद किया है। इसके साथ ही तीसरा ट्विस्ट यह दिख रहा है कि सीसीटीवी वीडियो में एक लाल रंग की कार है, जिसमें सवार लोग सोनम और राजा पर नजर रख रहे हैं। इस केस में अब पांच बड़ी मिस्ट्री सामने आई है, जिसे पुलिस सुलझा नहीं पाई है।

चाय के डिस्पोजल कप में यूरिन सैंपल, भगवान भरोसे रिपोर्ट

अजब एमपी का गजब मामला, खरगोन के कसरावद की घटना

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए प्रदेश सरकार के जतन पर पानी फेरने में खुद अफसर ही पीछे नहीं है। इसका ताजा उदाहरण खरगोन जिले के कसरावद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देखने को मिला। यहां यूरिन सैंपल के लिए चाय के डिस्पोजल का उपयोग हो रहा है। सीएमएचओ ने मामले का संज्ञान आने पर नोटिस देने की बात कही है। खरगोन के कसरावद स्थित शासकीय अस्पताल में मरीजों की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। अस्पताल में मरीज से जांच के लिए कई महीनो से डिस्पोजल कप में कर्मचारी यूरिन सैंपल भरवा रहे हैं। यह डिस्पोजल कप कागज के चाय वाले कप हैं। इससे सैंपल गिरने एवं बदलने का खतरा तो है ही जांच रिपोर्ट कैसी आएगी, यह भी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है। जाहिर है इस जांच रिपोर्ट के आधार पर जो दवाइयां दी जाएगी वह भी भगवान भरोसे ही होंगी। इस व्यवस्था ने अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही उजागर कर दी है।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में हिंसक प्रदर्शन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे-पत्थर फेंके

ट्रम्प ने 2000 नेशनल गार्ड्स भेजे; अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई का विरोध

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में दो दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार देर रात (भारतीय समयानुसार रविवार सुबह) पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट (आईसीई) पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे। साथ ही हाथों में मेक्सिको का झंडा लेकर 'आईसीई लॉस एंजिल्स से बाहर जाओ' जैसे नारे भी लगाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड सैनिक तैनात करने की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इस दौरान होमलैंड सिक्योरिटी और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने इस दौरान 44 लोगों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी को खबर मिली थी कि कई जगहों पर अवैध अप्रवासियों को गलत दस्तावेजों के जरिए नौकरी दी जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि 1

हजार प्रदर्शनकारियों ने एक संघीय भवन को घेरकर आईसीई अधिकारियों पर हमला किया, और आईसीई आउट ऑफ एलए जैसे नारे लगाए थे।

ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ने पर सरकार इसे नियंत्रित करेगी : ट्रम्प के बॉर्डर प्रमुख टॉम होमैन ने फॉक्स न्यूज से कहा कि नेशनल गार्ड शनिवार शाम को तैनात होगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा- अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकते, तो संघीय सरकार दंगे और लूटपाट को नियंत्रित करेगी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने इस कदम को जानबूझकर भड़काऊ बताया। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने भी छापों की निंदा की और कहा, ये रणनीतियां हमारी कम्युनिटी में डर पैदा करती हैं और शहर की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं। व्हाइट हाउस ने आईसीई को रोज 3,000 प्रवासियों को हिरासत में लेने का लक्ष्य दिया प्रदर्शनकारी रॉन गोमेज (44) ने रॉयटर से कहा, वे हमारे लोगों को किडनैप नहीं कर सकते। हम संगठित और कड़ा विरोध करेंगे। वहीं, व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने प्रदर्शनों को कानून और देश की संप्रभुता के खिलाफ विद्रोह करार दिया। अवैध अप्रवासियों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था चिरला की निदेशक एंजेलिका सालास ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों तक वकीलों की पहुंच नहीं हो पाई, जो चिंताजनक है। आईसीई, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और लॉस एंजिल्स पुलिस ने प्रदर्शनों या छापों पर कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रम्प ने अवैध रूप से देश में रहने वालों को रिकॉर्ड संख्या में निर्वासित करने और अमेरिका-मेक्सिको सीमा को बंद करने का वादा किया है। व्हाइट हाउस ने ढ्ढष्श्व को प्रतिदिन कम से कम 3,000 प्रवासियों को हिरासत में लेने का लक्ष्य दिया है। लॉस एंजिल्स में अप्रवासी आबादी लॉस एंजिल्स में मेक्सिकन अप्रवासियों की संख्या लाखों में है, और यह शहर मेक्सिकन मूल के लोगों का सबसे बड़ा केंद्र है। कैलिफोर्निया-मेक्सिको बॉर्डर से बड़ी संख्या में अप्रवासी अमेरिका में घुसते है। अमेरिका में 2023 तक मेक्सिकन मूल के लगभग 10.9 मिलियन अप्रवासी थे, जो कुल विदेशी मूल की आबादी का लगभग 23प्रतिशत हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2024 में अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर माइग्रेंट एनकाउंटर (पकड़े गए या हिरासत में लिए गए अप्रवासी) की संख्या में भारी कमी आई। दिसंबर 2023 में 249,741 एनकाउंटर हुए, जो अगस्त 2024 तक घटकर 58,038 हो गए, यानी 77प्रतिशत की कमी आई।

कर्ज में डूबा पाकिस्तान, फिर भी नेताओं की तिजोरी भर रही : 500 प्रतिशत वेतन वृद्धि

इस्लामाबाद, एजेंसी। वित्तीय संकट और महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने एक और चौंकाने वाला फैसला लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक और सीनेट चेयरमैन यूसुफ रजा गिलानी का वेतन 500 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। अब दोनों शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारियों को हर महीने 13 लाख पाकिस्तानी रुपए वेतन मिलेगा, जबकि पहले यह राशि केवल 2.05 लाख रुपए थी। यह वृद्धि 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगी।

पिछले कुछ महीनों में शरीफ सरकार ने मंत्रियों, सलाहकारों, सांसदों और अब स्पीकर और चेयरमैन के वेतन में भारी बढ़ोतरी की है। मार्च में कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और सलाहकारों के वेतन में 188 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। वहीं, सांसदों और सीनेटरों के लिए 5.19 लाख रुपए मासिक वेतन स्वीकृत किया गया था। यह सब उस वक्त हो रहा है जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कर्ज, राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी, महंगाई और ईंधन तथा बिजली दरों में भारी बढ़ोतरी से त्रस्त है। आम जनता को जहां कमर कसने की सलाह दी जा रही है, वहीं सरकार अपने ही खर्च बढ़ा रही है।

शरीफ सरकार की आलोचना करते हुए इस्लामाबाद के एक स्थानीय निवासी ने कहा, पहले तो ये लोग कमर कसने और सादगी की बात करते हैं, फिर खुद ही कैबिनेट मंत्रियों की संख्या बढ़ाते हैं और उनका वेतन भी आसमान पर पहुंचा देते हैं। आम जनता पर टैक्स का बोझ और खुद पर ऐश, ये तो हद है! बता दें कि शरीफ सरकार ने जब सत्ता संभाली थी, तब कैबिनेट में केवल 21 सदस्य थे, जिसे बढ़ाकर अब 51 सदस्यों तक कर दिया गया है। देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बीच यह वेतन वृद्धि आम जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी लग रही है। आलोचकों का कहना है कि अगर यही 'आर्थिक सुधार' का रास्ता है, तो पाकिस्तान को मुश्किलों से उबरने में लंबा वक्त लग सकता है।

संक्षिप्त समाचार

स्नूकर स्टार नील रॉबर्टसन ने हांगकांग का निवासी बनने की घोषणा की

बीजिंग, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई स्नूकर स्टार नील रॉबर्टसन ने 6 जून को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्होंने और उनके परिवार ने हांगकांग का पहचान पत्र प्राप्त कर लिया है, और इसे एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत क्षण और पूरे परिवार के लिए गौरव की बात बताया। रॉबर्टसन ने कहा कि चीन का हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हमेशा से उनकी धन्य भूमि रही है, जहां उन्होंने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं और इस शहर के साथ गहरी दोस्ती कायम की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह हांगकांग में और अधिक व्यवसाय तथा करियर की योजनाएं बनाएंगे। बताया जाता है कि रॉबर्टसन ने हांगकांग की गुणवत्ता प्रतिभा प्रवेश योजना के माध्यम से हांगकांग की पहचान प्राप्त की। गौरतलब है कि चीन के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने जून 2006 में गुणवत्ता प्रतिभा प्रवेश योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य हांगकांग में बसने के लिए उच्च तकनीक प्रतिभाओं या उत्कृष्ट प्रतिभाओं को आकर्षित करना और हांगकांग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। हाल के वर्षों में, प्रसिद्ध स्नूकर खिलाड़ी जुड ट्रम्प और रोनी ओसुलिवन इस योजना के माध्यम से हांगकांग के निवासी बने हैं।

डिमेंशिया पीड़ित हत्यारे के मृत्युदंड पर सुप्रीम सुनवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उटाह के स्टेट जज ने डिमेंशिया से पीड़ित हत्या के दोषी जोसेफ क्लिफ्टन को मौत की सजा देने का आदेश देने के मामले में अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। उटाह में जज राल्फ लेरॉय मेंजिज ने 1988 में उटाह की एक महिला की हत्या के दोषी को मौजूदा वक्त में डिमेंशिया से पीड़ित होने के बावजूद मौत की सजा देने का आदेश दिया। हालांकि जज के फैसले पर कई लोगों ने विरोध जताया है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि बीमारी की स्थिति में व्यक्ति को मृत्युदंड देना उचित नहीं होगा।

लंदन में पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा की कार में तोड़फोड़, चोरी

लंदन, एजेंसी। मशहूर पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा की लंदन में उनकी जगुआर कार में तोड़फोड़ की गई और उनका कीमती सामान चोरी कर लिया गया। इसे लेकर सुनंदा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी कार के टूटे हुए शीशे और बिखरा हुआ कांच देखा जा सकता है। चोरों ने उनके दो लुई विटां बैग, एक सूटकेस और एक हैंडबैग चुरा लिया। वीडियो में सुनंदा ने पंजाबी में कहा, सब कुछ चला गया... दोनों मेरे पसंदीदा बैग थे। वीडियो में वे भावुक दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, वे मैं जिधर पासे वेखां, मैनु चोर दिसदे। यूके वालेयो, एह कोई गल ते नईं ना। सारी रात नींद नई आई बादशाहो। केहड़ा एलवी ते केहड़ा प्राडा, ओह गया ओह गया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शायद वे किसी बड़ी मुसीबत से बच गईं। सुनंदा ने लंदन में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों से बेहतर कदम उठाने की मांग की। यह पहली बार नहीं है जब सुनंदा ने अपनी परेशानियों को साझा किया। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने म्यूजिक प्रोड्यूसर पिंकी धालीवाल के खिलाफ वित्तीय शोषण और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। सुनंदा ने अपने गीत बिल्ली अख, जानी तेरा ना, पटाके और तेरे नाल नचना से लोकप्रियता हासिल की। उन्होंने पंजाबी फिल्मों में अभिनय भी किया है।

रूसने यान प्रक्षेपण तकनीक का पेटेंट कराया

मास्को, एजेंसी। रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से स्वचालित यान प्रक्षेपित करने की तकनीक का पेटेंट कराया है। यह स्टेशन दुनिया का ऐसा पहला ड्रोन प्लेटफार्म होगा जिसके रखरखाव के लिए रोबोट का इस्तेमाल होगा। इस तकनीक का परीक्षण रूसी ऑर्बिटल स्टेशन में करने की योजना है तथा बाद में इसका प्रयोग चंद्रमा के अन्वेषण में किया जाएगा। रूस इसमें योजनाबद्ध बदलाव करेगा।

दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के कब्जे वाले द्वीप के पास चीनी जहाज फंसा

बीजिंग, एजेंसी। विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के कब्जे वाले एक द्वीप के पास तूफानी मौसम के कारण चीनी जहाज फंस गया। इसके बाद फिलीपींस सेना को अलर्ट पर रहना पड़ा। क्षेत्रीय नौसेना प्रवक्ता एलेन रोज कोलाडो ने बताया कि फिलीपीन बलों ने देखा कि खराब मौसम के कारण शनिवार को चीनी मछली पकड़ने वाला जहाज थिटू द्वीप के पूर्व में उथले पानी में फंस गया है, तो फिलीपीन सेना और तट रक्षक कर्मियों ने सहायता प्रदान करने के लिए जहाज को वहां भेजा, लेकिन बाद में पता चला कि जहाज को बाहर निकाल लिया गया है। फिलीपींस की सशस्त्र सेनाओं के कर्नल जेरेक्सेस त्रिनिदाद ने संवाददाताओं से कहा कि हमारे सैनिक हमेशा सतर्क रहते हैं। तो हमने समुद्र में संकटग्रस्त जहाजों की मदद करने के अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार पेशेवर के रूप में सहायता प्रदान करने का प्रयास किया। हम सदैव अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करते हैं।

कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार को सिर में गोली मारी गई : हालत नाजुक

बोगोटा, एजेंसी। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हालत नाजुक बनी हुई है। घटना स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम की है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उरीबे को तीन गोलियां लगी है, इनमें से एक गोली के उनके सिर में लगने की खबर है। उरीबे राजधानी बोगोटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। कोलंबिया में 2026 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। मिगुएल उरीबे राष्ट्रपति पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। 39 वर्षीय उरीबे विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। पार्टी ने बयान जारी कर बताया कि उरीबे को संबोधन के दौरान हमलावर ने पीठ में गोली मारी। बोगोटा के मेयर कार्लोस गलान ने बताया कि यह हमला शहर के फोंतिबोन इलाके में हुआ। उरीबे की हालत को देखते हुए पूरे शहर के अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है पुलिस ने 15 साल के आरोपी हमलावर को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। उरीबे कोलंबिया की मशहूर पत्रकार डायना टर्बे के बेटे हैं। डायना को 1991 में ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार के मेडेलिन कार्टेल ने बोगोटा में अगवा कर लिया था।

शहबाज के सहायक की पूर्व पीएम इमरान को सलाह, कहा- सरकार के साथ बातचीत करने की जरूरत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सरकार और विपक्ष के बीच तनातनी जारी है। अदियाला जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) आम चुनावों में धांधली का लगातार विरोध कर रही है। इससे सरकार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सार्वजनिक और राजनीतिक मामलों के विशेष सहायक राणा सनाउल्लाह ने पीटीआई प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान को सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि इमरान खान को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बातचीत करनी चाहिए। उन्हें चुनाव कानूनों में संशोधन के लिए सरकार से बात करने की जरूरत है। सनाउल्लाह ने कहा कि विपक्ष को देश के मुद्दों और आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार पीटीआई को नौ मई 2023 या 26 नवंबर 2024 जैसे विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देगी। सनाउल्लाह ने देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में ऐसे किसी भी आंदोलन की सफलता से इनकार किया। सनाउल्लाह ने विरोध आंदोलन की संभावना पर कहा कि राजनीतिक व्यक्ति के रूप में मेरा मानना है कि सरकार,

प्रतिष्ठान और लोगों की स्थिति को देखते हुए पीटीआई अतीत की तरह एक समान आंदोलन शुरू करने का जोखिम नहीं उठा सकती। पीटीआई ने हमेशा नफरत भड़काने की कोशिश की है। अगर वे ऐसा कुछ करने की कोशिश भी करते हैं तो यह एक असफल प्रयास होगा। इस बीच पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने केंद्र में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के खिलाफ जेल से देशव्यापी विरोध आंदोलन का नेतृत्व करने की योजना की घोषणा की है। सीनेटर अली जफर ने खान के हवाले से कहा कि विरोध प्रदर्शन निर्णायक होना चाहिए। बता दें कि सरकार और पीटीआई ने पिछले साल कुछ मतभेदों पर विचार-विमर्श करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन बाद में पीटीआई ने सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन बैठकों में भाग लेने के बाद 9 मई, 2023 और 26 नवंबर की घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोगों के गठन न करने पर वार्ता प्रक्रिया को अचानक छोड़ दिया था।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- भारत को जल युद्ध में हराएंगे

कहा- वह जानबूझकर चिनाब का पानी कंट्रोल कर रहा; सीक्रेट बातचीत से इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीदड़ भभकी देते हुए कहा है कि उनका देश भारत को वाटर वॉर में हराएगा। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए आसिफ ने कहा- चिनाब नदी में जल प्रवाह सामान्य से काफी कम है, भारत जानबूझकर इसे कंट्रोल कर रहा है। आसिफ ने दावा किया कि भारत कन्वेंशनल (पारंपरिक) युद्ध में हार चुका है और अब हम उसे जल युद्ध में भी हराएंगे। उन्होंने उन अफवाहों को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई सीक्रेट बातचीत चल रही है। पाकिस्तान की नदियों में 21प्रतिशत पानी की कमी पाकिस्तान की सिंधु नदी सिस्टम अथॉरिटी ने एक हफ्ते पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि देश में सिंधु, झेलम और चिनाब नदी

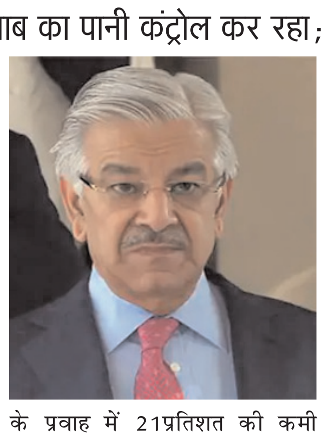

के प्रवाह में 21प्रतिशत की कमी आई है। खैबर पख्तूनख्वा राज्य में स्थित प्रमुख बांध मंगला और तरबेला में 50प्रतिशत से भी कम पानी बचा है। आईआरएसए के मुताबिक 2 जून 2025 को पंजाब में कुल पानी की उपलब्धता सिर्फ 1,28,800 क्यूसेक थी, जो पिछले साल के मुकाबले 14,800 क्यूसेक कम है। वहीं, पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, 2 जून 2025 तक पंजाब प्रांत में सिंधु नदी सिस्टम में पानी की उपलब्धता पिछले साल के मुकाबले 10.3प्रतिशत कम हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद अब भारत, पाकिस्तान के साथ जल प्रवाह के आंकड़े शेयर नहीं करेगा। इससे बरसात के मौसम में बाढ़ मैनेजमेंट भी मुश्किल हो जाएगा। पाकिस्तान में मानसून पहुंचने में अभी 3 हफ्ते लगेंगे पाकिस्तान के ऊपर एक एंटी साइक्लोन बन गया है। इस वजह से कई इलाके भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। बलूचिस्तान के कई इलाकों में 16 घंटे बिजली कटौती हो रही है, इस वजह से गर्मी काटना मुश्किल हो गया है। अभी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को पाकिस्तान पहुंचने में 3 हफ्ते लगेंगे, ऐसे में आने वाले हफ्ते और ज्यादा मुश्किल भरे हो सकते हैं।

अमेरिकी राजनीति में बढ़ता दबदबा, टेक्सास के नगर परिषद चुनाव में दो भारतवंशी जीत के करीब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राजनीति में लगातार भारतीयवंशियों का प्रतिनिधित्व बढ़ता जा रहा है। अब टेक्सास नगर परिषद चुनाव में भी दो भारतवंशी उम्मीदवार जीत की तरफ बढ़ रहे हैं। ये उम्मीदवार हैं संजय सिंघल और सुख कौर। संजय सिंघल टेक्सास की शुगरलैंड सीट से उम्मीदवार हैं। वहीं सुख कौर सैन एंटोनियो से चुनाव मैदान में हैं। संजय सिंघल और सुख कौर चुनाव मैदान में 3 जून को हुए मतदान के बाद वोटों की गिनती जारी है और जल्द ही इसके नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। शुगरलैंड में संजय सिंघल का मुकाबला नासिर हुसैन से है। संजय 54 प्रतिशत मतों के साथ आगे चल रहे हैं और नासिर हुसैन 46 फीसदी मत पाकर दूसरे स्थान पर हैं। संजय सिंघल आईआईटी दिल्ली के छात्र रहे हैं और एनर्जी एक्जीक्यूटिव के पद से रिटायर होने के बाद चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में संजय सिंघल पारदर्शी प्रशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक जुड़ाव का वादा कर रहे हैं। टेक्सास के नागरिक नेतृत्व में बढ़ेगा भारतीयों का दबदबा वहीं सैन एंटोनियो डिस्ट्रिक्ट 1 से उम्मीदवार सुख कौर हार्वर्ड से स्नातक हैं और पैटी गिब्सन के खिलाफ आगे चल रही हैं। सुख कौर को 64 प्रतिशत मत मिले हैं। अगर सुख कौर जीत जाती हैं तो सैन एंटोनियो सिटी काउंसिल से जीतने वाली पहली सिख महिला होंगी। सुख कौर

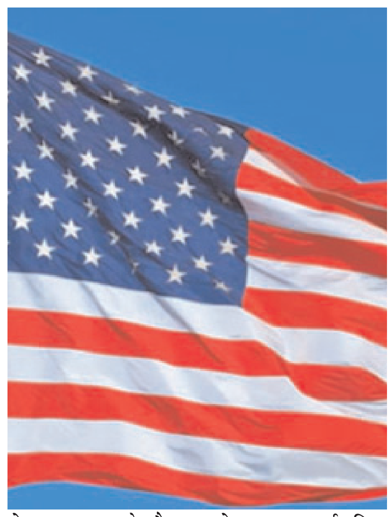

ने चुनाव प्रचार के दौरान सस्ते आवास, सार्वजनिक परिवहन में विस्तार और शहरी विकास जैसे वादे किए हैं। वह अपने पति और दो बच्चों के साथ सैन एंटोनियो में रहती हैं। दोनों उम्मीदवारों से टेक्सास के नागरिक नेतृत्व में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधित्व को मजबूती मिलने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में आधिकारिक जीत की घोषणा की उम्मीद है।

ईरान परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए तैयार, लेकिन दबाव स्वीकार नहीं करेगा : राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को तैयार है। इसकी जानकारी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि उनका देश अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी दबाव को स्वीकार नहीं करेगा। राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मूरत नूर्टलेउ के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। दरअसल, वह तेहरान और वाशिंगटन के बीच चल रही अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता पर टिप्पणी कर रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि ईरान की परमाणु गतिविधियां पूरी तरह से पारदर्शी हैं और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी इसकी बार-बार पुष्टि की है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा, चूंकि हम निरीक्षण के लिए तैयार हैं, इसलिए हम राष्ट्रों को ज्ञान, प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक उपलब्धियों से वंचित करना अस्वीकार्य मानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान हमेशा तार्किक चर्चा सुनने के लिए तैयार है, लेकिन वह कभी भी जबरदस्ती और धौंस को स्वीकार नहीं करेगा।

उधर, कजाकिस्तान के विदेश मंत्री ने शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों पर ईरान के सिद्धांतवादी और तार्किक रुख के प्रति अपने देश का सम्मान व्यक्त किया। नूर्टलेउ ने कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव का लिखित संदेश पेजेशकियन को सौंपा। नूर्टलेउ ने कहा कि

उन्हें उम्मीद है कि यह संदेश दोनों देशों के संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ेगा। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमत हुए। सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, कजाकिस्तान के विदेश मंत्री शनिवार सुबह तेहरान पहुंचे और उनके ईरानी समकक्ष सईद अब्बास अराघची ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर बैठक की तथा राजनयिक अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने के मुद्दे पर पांच बार अप्रत्यक्ष वार्ता की, जिसकी मध्यस्थता ओमान ने की है।

संक्षिप्त समाचार

आपदा से बचाव के लिए जनचेतना शिविरो का आयोजन जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा बाढ़ आपदा पूर्व तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेट होमगार्ड द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। होमगार्ड पीसी रश्मि दुबे ने बताया कि आज ग्राम सतपाड़ा, शेरपुर एवं दुपारिया में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एसडीईआरएफ टीम के द्वारा बाढ़ से पूर्व तैयारी, आगजनी की घटनाओं में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव, राफ्ट बनाना ,कंबल-चादर से स्ट्रेचर बनाना, पीड़ितों को सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना एवं ड्राई रेस्क्यू के बारे में ग्रामीण जनों को जानकारी प्रदान की गई। शनिवार सात जून को प्रातः 11 बजे ग्राम पंचायत चितौरिया में और दोपहर तीन बजे ग्राम पंचायत सहजाखेडी में जनचेतना शिविर का आयोजन किया गया है।

कृषि यंत्रों के लिए आन लाइन पंजीयन शुरू हुआ

विदिशा (निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के विभाग की पोर्टल की कृषि यंत्र अनुदान के अंतर्गत ट्रैक्टर चली बनी के लिए डायरेक्ट राइस सीडर डीएसआर ब्रांड बैंड करो प्लांटर बीएफ एवं वल्चर कृषि यंत्रों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कार्य 4 जून से शुरू हो गया है। सहायक कृषि श्री पीएस शाक्य ने बताया कि होटल अनुसार बोलने के लिए डायरेक्ट राइस सीडर डीएसआर की कीमत लगभग 1.18 से 1.35 लाख तक है जिस पर अनुदान शासन की योजना के अनुसार अधिकतम 45000 रुपए का है इसके अलावा ब्रॉडबैंड करो प्लांटर बीएफ की कीमत लगभग 95000 से 121000 तक है जिस पर अनुदान अधिकतम 60000 रुपए का है नॉर्वे प्रबंधन के लिए वल्चर की कीमत लगभग 140000 रुपए से 253000 तक है जिस पर अनुदान अधिकतम 90000 रुपए का है इच्छुक कृषक उपयोग जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट dbt.mpdage.org पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में रोजगार मेला 10 जून को

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार 10 जून को प्रातः 11 बजे से 04 बजे तक सीहोर स्थित शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में रोजगार विभाग एवं उद्योग विभाग द्वारा युवासंगम के तहत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं स्वरोजगार योजनाओं की पंजीयन प्रक्रिया में बारे में जानकारी दी जाएगी। इस रोजगार मेले मे निजी क्षेत्र की एलजी इलेक्ट्रानिक्स इंडिया प्रा.लि., शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड, श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड, पेंटियम, क्यूस काप, जी.एस.ए. फाउंडेशन, चेकमेट सिक्योरिटी सर्विसेस, टैलेंसेतु, नवभारत फर्टिलाइजर आदि कंपनियों द्वारा वैलनेस एडवाइजर, इलेक्टीशियन एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, अप्रेंटिसशिप, असिस्टेंट मैनेजर, सुपरवाइजर, स्टोर इंचार्ज, कम्प्यूटर ऑपरेटर, रिलेशनशिप मैनेजर, लोन ऑफिसर, फील्ड ऑफिसर, डिप्टी मैनेजर, स्टोर मैनेजर, टेले कॉलिंग, सिक्योरिटी गार्ड के 2703 से अधिक पदों भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में 18 से लेकर 35 वर्ष आयु के 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई टी.आई.. डिप्लोमा पास आवेदक शामिल हो सकते हैं। इच्छुक आवेदक अपने सभी शैक्षणिक एवं अन्य मूल दस्तावेजों तथा 02 फोटो के साथ सीहोर स्थित शासकीय महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में उपस्थित हो सकते हैं।

केवीआईसी ने पीएमईजीपी के अंतर्गत लाभार्थियों को मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित

सीहोर (निप्र)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के लाभार्थियों को मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित की गई। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने लाभार्थियों को सब्सिडी ऑनलाइन माध्यम से जारी की। इस तरह देशभर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को सशक्त बनाने के लिए यह एक व्यापक और प्रभावी अभियान सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम में शामिल हुए राजस्व मंत्री एवं केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री

इछावर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। इछावर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा और केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा रही है ताकि फसलों का उत्पादन बढ़े और किसानों की आय में वृद्धि हो। हमारे देश का किसान समृद्ध और सशक्त होगा तो देश भी समृद्ध होगा।

कहा कि जिन किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है उनके खेतों तक जल्द से जल्द पानी पहुंचाने का कार्य किया जएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का

देश को विकसित बनाने के लिए किसानों को समृद्ध बनाना आवश्यक है - केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

लक्ष्य है कि भारत को विकसित बनाया जाए। किसानों की समृद्धि और उन्नत खेती के बिना भारत को विकसित नही बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि खेती में उत्पादन बढ़ाने के लिए अच्छी किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है, इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रिसर्च के माध्यम से बेहतर किस्म के बीज तैयार किए जा रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिक किसानों से घर-घर जाकर चर्चा कर रहे है और किसानों को उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, ताकि तकनीकों के माध्यम से फसल उत्पादन बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि खेती में अधिक उत्पादन के लिए हमें प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाना होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार निरंतर गरीबों के पक्के मकान बनवाने का कार्य कर रही है। पीएम आवास योजना के तहत 2018 की आवास प्लस की सूची के बचे हुए 7,85,356 आवासों का स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को सौंपा गया है, जल्द ही सभी पात्र हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में देश, प्रदेश एवं कृषि क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सड़के नही हैं वहा निरंतर सड़के बनाई जा रही हैं। इसके साथ ही अनेक योजनाएं संचालित कर गरीबों के कल्याण का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके ने कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम भाउखेड़ी में आयोजित कृषि चौपाल में किसानो से चर्चा की। किसान चौपाल में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

यह थे उपस्थित

बुधनी विधायक श्री रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, इछावर नगर परिषद अध्यक्ष श्री देवेंद्र वर्मा, सीहोर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, श्री कैलाश सुरना, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाडा, श्री रवि मालवीय सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मदिरा दुकानो पर क्यूआर कोड़ चस्पा

तय मूल्य से अधिक दामो पर विक्रय करने पर छह प्रकरण पंजीबद्ध

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में आबकारी विभाग के द्वारा जिले में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि जिले में मदिरा विक्रय नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। नियमित निगरानी और नियंत्रण शासन की प्राथमिकता के साथ की जाये। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी श्री रंगशाही ने बताया कि विभिन्न सूत्रो से प्राप्त जानकारी और शिकायतो के आधार पर औचक निरीक्षण मदिरा दुकानो का किया गया और निर्धारित विक्रय मूल्य से अधिक दामो पर मदिरा विक्रय करते पाए जाने पर आबकारी विभाग द्वारा 06 शराब दुकानों पर कार्रवाई कर 06 प्रकरण दर्ज किये गये हैं। जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने इस कार्रवाई की सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ÷एमआरपी/एमएसपी का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाएगी। यह संदेश सभी लाइसेंस धारकों और फील्ड स्टाफ के लिए है कि उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में मदिरा विक्रय व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा हेतु जिला आबकारी विभाग द्वारा व्यापक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जांच में पाया गया कि 06 शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक या एमएसपी से कम दर पर मदिरा विक्रय किए जाने के प्रमाण पाए गए, जिस पर 06 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस संबंध में सभी संबंधित लाइसेंस धारकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इस कार्रवाई में लगभग 9.57 लाख रुपये का जुर्माना संभावित है। बताया गया कि इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं को मदिरा उत्पाद निर्धारित दरों (एमआरपी/एमएसपी) पर ही उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आर्थिक शोषण पर रोक लगेगी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। आबकारी विभाग द्वारा इस प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, जिससे शराब विक्रय प्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे और उपभोक्ताओं के साथ कोई भी धोखाधड़ी न हो। नागरिकों से अपील है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर जानकारी आबकारी विभाग को तत्काल सूचना दें।

मदिरा दुकानों पर की गई कार्यवाही : जिला आबकारी अधिकारी श्री रंगशाही ने बताया कि विभागीय अमले के द्वारा की गई औचक जांच पड़ताल के दौरान अनियमितता पाए जाने पर जिन मदिरा दुकानों पर कार्यवाही की गई है। उनमें नयागोला, हाँसुआ, दीपनाखेड़ा, पीकलोन एवं पचमा बाईपास रोड़ दुकाने शामिल है।

क्यूआर कोड : जिला आबकारी अधिकारी श्री रंगशाही ने बताया कि विगत कुछ समय से ग्राहको के द्वारा मदिरा रेट के संबंध में असंतोष शिकायते संज्ञान में लाई जा रही थी। प्राप्त शिकायतो पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु आबकारी आयुक्त श्री अभिजीत अग्रवाल के साथ-साथ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा जिले में विशेष पहल करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशो के अनुपालन में जिले की समस्त मदिरा दुकानो पर मदिरा रेट संबंधी क्यूआर कोड चस्पा करने की कार्यवाही संपादित की गई है अतः मदिरा क्रय करने वाले ग्राहक क्यूआर कोड को स्कैन कर वास्तविक एमआरपी/एमएसपी विक्रय दर से अवगत हो सकेंगे। यदि किसी मदिरा विक्रय दुकान के द्वारा क्यू आर कोड में दर्ज से अधिक राशि ली जाती है तो अविलम्ब सूचित करें ताकि आबकारी अधिनियमों के तहत कठोर कार्यवाही संपादित की जा सकें।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

विदिशा (निप्र)। 1 शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों मेंप्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। सभी छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया एमपीटास मोबाईल टेबलेट से प्रवेश ऑनलाईन किया जा रहा है। छात्रावास में प्रवेश हेतु प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास जिला संयोजक द्वारा बताया गया कि प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र-छात्रा अपने सम्बधित विकास खण्ड छात्रावासों के अधीक्षक से संपर्क कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर प्रवेश हेतु सीनियर , जूनियर, महाविद्यालयीन, आश्रम में छात्र-छात्रो के लिए छात्रावासों में प्रवेश प्रारंभ किये जा चुके हैं। इच्छुक छात्र-छात्राऐं निम्नलिखित मय- दस्तावेजों के साथ प्रोफाइल पंजीयन, स्थाई जाति प्रमाण पत्र, उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी, आधार कार्ड, समग्र आईडी, छात्र के दो फोटो एवं पालक के दो फोटो प्रवेश फार्म के साथ संलग्न करें।

बिजली कंपनी का उपाय ऐप हुआ अपग्रेड बिजली उपभोक्ता अब पेन कार्ड के जरिए भी करा सकेंगे ई-केवायसी

सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को अनेक सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई गई हैं। कंपनी ने बिजली उपभोक्ता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी के उपाय ऐप को अपग्रेड कर दिया है। अब बिजली उपभोक्ता कंपनी के उपाय ऐप से घर बैठे ही अपने बिजली कनेक्शन से संबंधित सुविधाओं का लाभ केवल एक ऐप के माध्यम से ही उठा सकते है। कंपनी ने उपाय ऐप को अपग्रेड कर समग्र आईडी के साथ ही पैन कार्ड के माध्यम से भी ई-केवायसी करने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। उपभोक्ता परिसरों में स्थापित स्मार्ट मीटर में बिजली खपत की जानकारी को देखने के साथ ही बिजली रीडिंग, बिलिंग, चेकिंग और अन्य बिजली संबंधी कार्यवाही के लिए उपभोक्ता परिसर में आने वाले बिजली कार्मिकों की पहचान हेतु एम्पलाई वेरिफिकेशन संबंधी फीचर भी उपलब्ध कराया है। उपभोक्ता अब उपाय के माध्यम से कंपनी के अधिकृत कर्मचारी की पहचान हेतु उससे कर्मचारी नंबर पूछकर उपाय एप के एम्पलाई वेरिफिकेशन फीचर के माध्यम से देख सकेंगे और अनधिकृत व्यक्ति तथा जालसाजों द्वारा बिजली कार्मिक बनकर किये जाने वाले धोखे से भी बच सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति और उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करना कंपनी का प्राथमिक दायित्व है और इसी क्रम में कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए उपाय ऐप को अपग्रेड किया गया है। इससे उपभोक्ता अब आसानी से अपने बिजली बिलों के भुगतान के साथ ही कनेक्शन संबंधी अन्य सेवाओं जिनमें बिल भुगतान, नवीन कनेक्शन आवेदन, बिल कंप्लेंट, पॉवर कंप्लेंट, कंप्लेंट स्टेट्स, बिल कैल्कुलेटर, बिजली चोरी की सूचना (इनफॉर्मर स्कीम), नेट मीटरिंग (सोलर रूफटॉप), विजिलेंस बिल भुगतान, ई-केवायसी, स्मार्ट मीटर खपत विवरण जैसी अनेक सुविधाओं का लाभ अब एक ही प्लेटफॉर्म पर उठा सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है वे गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप को डाउनलोड कर बिजली संबंधी सेवाओं का लाभ उठाएं।

भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय हेतु पुरस्कार वितरित

हरदा (निप्र)। भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय हेतु पुरस्कार योजना÷ के अंतर्गत जिला स्तरीय पुरस्कारों का वितरण शनिवार को हरदा विधायक डॉ आर के दोगने व पूर्व मंत्री श्री कमल पटेल ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत और अध्यक्ष कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत ललित पटेल भी मौजूद थे। पशुपालकों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 51,000, 21,000 और 11,000 की राशि संबंधितों के बैंक खातों में पशुपालन विभाग द्वारा अंतरित की जावेगी । प्रथम पुरस्कार श्री रमेश बिश्नोई ग्राम एडाबेड़ा विकासखंड हरदा की गाय को जिसने 16.28 लीटर उत्पादन प्रतिदिन दिया । द्वितीय पुरस्कार बृजमोहन बिश्नोई ग्राम हरपालिया विकासखंड खिरकिया को दिया गया है जिनकी गाय ने औसत उत्पादन प्रतिदिन 15.399 लीटर दिया । तृतीय पुरस्कार श्रीमती राधिका गुर्जर निवासी सिराली विकासखंड खिड़कियां को दिया गया जिनकी गाय ने 14.539 लीटर औसत दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन दिया । वित्त वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समुन्नत योजना अंतर्गत दो पशुपालकों को मुर्रा सांड हेतु , बकरी इकाई योजना अंतर्गत सात हितग्राहियों को अनुदान राशि का स्वीकृति पत्र प्रदान किया । कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षित 14 मैत्रियों को कृत्रिमह्व गर्भाधान किट प्रदान की गई ।

धरती आबा अभियान के तहत जिले के चिन्हित गाँवों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

सीहोर जिले के 80 जनजातीय ग्रामों के 15, 736 परिवार होंगे लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के लिए चलाये जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाभियान के तहत सीहोर जिले के 80 जनजातीय बाहुल्य गांवों में 15 जून से 30 जून तक शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इस अभियान के तहत सीहोर जिले के 80 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के 15, 736 परिवार लाभान्वित होंगे। कलेक्टर श्री बालागुरू के द्वारा इस अभियान के तहत शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये हैं। उन्होंने अभियान के तहत आयोजित किये जा रहे शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये हैं। धरती आबा

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने तथा जनजातीय गाँवो में सड़क, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किए जाने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) की स्थापना भी की जायेगी, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुँच सुनिश्चित की जा सके। धरती आबा अभियान के तहत चिन्हित 80 गांवों में धरती आबा अभियान के तहत लगाये जाने वाले शिविरों में हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी एवं जाति प्रमाण पत्र बनाये जायेंगे तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाते खोलने के कार्य किये जायेंगे। इसके साथ ही राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में नामांकन सहित विभिन्न योजनाओं के आवेदन और स्वीकृति की कार्यवाही भी शिविरों में की जायेगी। शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाया जायेगा। अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जिला प्रशासन, सीएससी, स्थानीय अधिकारियों तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से होगा। ग्राम स्तर शिविर के कैलेंडर का निर्धारण किया गया है तथा इसके मॉनिटरिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

प्रधानमंत्री जन-मन योजना में पौआनाला की हितग्राही केसरबाई का पक्का आवास बना

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की ग्राम पंचायत पौआनाला निवासी श्रीमती केसर बाई आदिवासी अनुसूचित जनजाति की हितग्राही हैं जो प्रधानमंत्री जन मन योजना तहत संपादित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। हितग्राही का पीएम जनमन आवास योजना तहत पक्का आवास बन गया है। श्रीमती केसर बाई के पास रहने के लिए पक्का घर नहीं था, ना ही बिजली, पानी व अन्य व्यवस्थाए थी। वे अपने परिवार के साथ मिट्टी के बने एक कच्चे झोपड़े में रहते थे। जो बरसात में अक्सर गिरने की कगार पर होता था। 2023 में जब केंद्र सरकार ने आदिवासी समुदायों के लिए प्रधानमंत्री जन-मन योजना की शुरुआत की, तो ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण हुआ। इसमें श्रीमती केशर बाई का नाम चयनित हुआ और उन्हें पीएम जनमन योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली।

मदद और सहयोग

श्रीमती केसर बाई को आवास निर्माण सहायता राशि मिली जिससे उनका पक्का आवास बन गया है अब बरसात में घर में पानी नहीं टपकता है साथ ही बिजली की सुविधा भी है उनका जनधन खाता खुल गया है एवं आधार कार्ड, जाती प्रमाण पत्र इत्यादि का लाभ दिया गया है।

किसानो को घर बैठे खेती की जानकारी देने का यह अनोखा प्रयोग

विदिशा (निप्र)। विकसित कृषि संकल्प अभियान की निहित बिंदुओं से अवगत कराने के उद्देश्यों से जिले के ग्रामों में 12 जून तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त समन्वय से आयोजित होने वाले शिविरो की जानकारी देने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए है इन शिविरो में विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित होकर विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमो से अवगत करा ही रहे है। इसके अलावा कृषि वैज्ञानिको के द्वारा कृषि क्षेत्र में हुए नवाचारो की जानकारी दी जा रही है। कृषि वैज्ञानिक किसानो की खेती संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे है वहीं फसल लेने से पहले मिट्टी का परीक्षण की आवश्यकता क्यों से अवगत कराया जा रहा है। बीजोपचार कर बोनी करने से होने वाले फायदो को रेखांकित किया जा रहा है। गुलाबगंज के गूलरखेडी में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान शिविर को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत कृषि समिति के सभापति श्री धनराज दांगी ने कहा कि किसानो को घर बैठे ऐसी-ऐसी जानकारियां दी जा रही है जिनकी प्राप्ति के लिए उन्हें भटकना ना पडें। इस प्रकार के शिविरो की महत्वता को रेखांकित करते हुए उन्होंनें कहा कि यहां दी जाने वाली जानकारी का खेतो में जरूर उपयोग करें। ग्यारसपुर जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री छत्रपाल शर्मा ने कहा कि जब तक हम आधुनिक विधियो का उपयोग नहीं करेंगे तब तक खेती को मुनाफे के रूप में दोहरी आमदनी कैसे संभव है के लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं कर पाएंगे। कम समय में कौन सी किस्म का बीज बोए ताकि बिना नुकसान हुए पैदावार प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिको द्वारा दी जाने वाली जानकारियों को गांठ बांधकर रखें और समय पर उनका उपयोग करें। लीड़ बैंक आफीसर श्री भगवान सिंह बघेल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा किसानो के लिए सुगमता से कृषि कार्यो के उपयोग हेतु आवश्यक राशि प्राप्त हो सकें के प्रबंध सुनिश्चित किए गए है इस कार्य में बैंको की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने किसानो से आव्हान किया कि वे अपनी फसल का बीमा जरूर कराएं ताकि प्राकृतिक आपदा के दौरान बीमा राशि के माध्यम से आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सकें। मत्स्य निरीक्षक अधिकारी श्री महेन्द्र सिंह ने कहा कि खेती किसानी के साथ-साथ अन्य संसाधनो का उपयोग करना अतिआवश्यक है। सिंचाई के लिए जो टेंक, तालाब अथवा खेत में बनाए जाने वाले जल भण्डारण में मत्स्यपालन कैसे करें ताकि आमदनी में वृद्धि हो से अवगत कराया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानो को दी जाने वाली सहूलियतो की जानकारी व उपकरण क्रय करने या फिर किराए पर लेने के लिए विभाग के माध्यम से दी जा रही सुविधा को रेखांकित किया है। इसी प्रकार उन्होंने मिट्टी परीक्षण के उपरांत आवश्यक खादो की आपूर्ति के लिए किए जा रहे प्रबंधो पर गहन प्रकाश डाला है। नरवाई नहीं जलाने के उपायो से अवगत कराया गया है। शिविर को पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने भी सम्बोधित किया और पशुधन की सुरक्षा हेतु संचालित टीकाकरण कार्यक्रम की जानकारियां सांझा की गई है।

सिकल सेल रोग शोध और अनुसंधान पर विशोष ध्यान दिया जाये शादी के पूर्व जेनेटिक कार्ड मिलान जरूर किया जाये

सीहोर (निप्र)। सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों के द्वारा रोग उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारे वनों में प्रचुर मात्रा में जड़ी-बूटियां उपलब्ध है। आवश्यकता शोध और अनुसंधान के द्वारा उनकी उनकी उपयोगिता के प्रमाणीकरण की है। सिकल सेल के उन्मूलन प्रयासों के लिए सबके साथ और सबके प्रयासों की एकजुट आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर सिकल सेल की जागरुकता में सक्रिय सहभागिता करें। सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरुकता ही सबसे बड़ा टूल है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति सिकल सेल के लक्षणों, उपचार और संभावनाओं के प्रति स्वयं जागरूक हो। फिर जागरूकता दूत के रूप में अपने आस-पास, और समुदाय को जागरूक करें। नई पीढ़ी को सिकल सेल एनीमिया से बचाने के लिए वर-वधू शादी के पूर्व सिकल सेल जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। गर्भावस्था में जरूरी जाँचे कराए। संतान के जन्म के 72 घंटे के भीतर उनकी सिकल सेल एनीमिया की जाँच अवश्य करें। सिकल सेल से पीड़ित बच्चों एवं उनके परिजनों से आत्मीय मुलाक़ात की। उनकी कुशल क्षेम जानी। सभी को अच्छे ख़ान-पान, व्यायाम और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी।सिकल सेल जाँच की गहनता को बढ़ाने, प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रीनेटल टेस्टिंग के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना एवं सिकल सेल उन्मूलन, शोध और रोकथाम प्रयास किये जाना चाहिये।

संपादकीय

जश्न बना मातम, कार्यक्रम की इजाजत क्यों और किस स्तर पर दी गई?

बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जुटी भीड़ के अनियंत्रित हो जाने के बाद भगदड़ में ग्यारह लोगों की मौत और तीस से ज्यादा लोगों के घायल होने की घटना एक बार फिर आयोजन में बरती गई घोर लापरवाही का ही उदाहरण है। हैरानी की बात यह है कि वहां क्रिकेटप्रेमियों की जितनी बड़ी संख्या जुटी थी, उसमें आशंका के बावजूद कई स्तर पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की गई और एक तरह से हादसे की जमीन तैयार होने दी गई। गौरतलब है कि इंडियन प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के तहत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अठारह वर्षों के बाद खिताबी जीत हासिल की थी। इस जीत पर आम लोगों का खुशी जाहिर करना स्वाभाविक था, लेकिन वहां हालात ऐसे हो गए कि इस क्रम में उम्मीद से काफी ज्यादा लोग जमा हो गए। इसके बाद स्टेडियम में प्रवेश करने की एक जगह अव्यवस्था फैल गई और फिर भगदड़ मच गई। नतीजा बेहद त्रासद साबित हुआ, जिसमें अपनी पसंदीदा टीम की जीत पर जश्न मनाने पहुंचे कई लोगों की भगदड़ में कुचल कर मौत हो गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। सवाल है कि मैचों का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार संबंधित क्रिकेट संगठन और पुलिस के लिए इस बात का अंदाजा लगाना जरूरी क्यों नहीं लगा कि जितनी बड़ी तादाद में लोग वहां इकट्ठा हो गए थे और मैच के नतीजे के बाद से ही जश्न मनाने का जो स्वरूप देखने में आ रहा था, उसके बाद कैसे हालात पैदा हो सकते हैं। यह भी खबर आई कि करीब पैंतीस हजार लोगों के आने की उम्मीद थी, लेकिन वहां दो से तीन लाख लोग आ गए। इस बात की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि स्टेडियम की क्षमता से करीब दस गुना ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने के क्या कारण थे और उन्हें एक जगह पर जमा होने से रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए। जीत के कुछ समय बाद जश्न मनाने के बजाय इतनी जल्दी कार्यक्रम की इजाजत क्यों और किस स्तर पर दी गई? क्या मुफ्त पास मिलने की खबर के बाद जश्न में शामिल होने वाले लोगों की संख्या और पैदा होने वाली स्थितियों या आशंकाओं का आकलन किया गया? इस तरह के जश्न मनाए जाने की घोषणा और कार्यक्रम शुरू होने के बीच कितना समय था और इसमें लोगों की भीड़ से निपटने के लिए कैसी तैयारी की गई? विडंबना यह है कि किसी खेल में जीत-हार को खेल भावना के तहत ही देखने और संयमित अभिव्यक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देने को लेकर सरकार और खेल संगठन शायद ही कभी गंभीर होकर सोचते हैं। इसके अलावा, देश भर में आए दिन धार्मिक आयोजनों सहित अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में लोगों के जमावड़े और उसके बाद अव्यवस्था की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की घटनाएं होती रहती हैं। हर बार इस तरह की त्रासदी को महज हादसा मान कर आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन शायद ही कभी भगदड़ की किसी घटना से सबक लेकर लोगों की संख्या, जुटने के लिए नियम-कायदे और भगदड़ रोकने के लिए हर स्तर पर व्यवस्था और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाता है। हालत यह है कि जब किसी वजह से भगदड़ मच जाती है, तब बचाव और राहत कार्यों के लिए भी पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। नतीजतन, किसी अफवाह या अप्रत्याशित कारण से अचानक ही लोगों के भीतर अफरा-तफरी मच जाती है और जश्न या खुशी का मौका मातम की त्रासदी में बदल जाता है।

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

(ललित गर्ग)

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा।

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिंधु नदी का पानी रोके जाने के बाद घुटनों पर आया पाकिस्तान !

(अनिल कुमार)

सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है। इसके बाद पाकिस्तान लगातार भारत से गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान ने भारत को चार पत्र लिखकर इस फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ भारत ने जल संधि को निलंबित करने फैसले के पीछे सीमा पार आतंकवाद को कारण बताया है।साथ ही, जल साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि को निलंबित करने से भारत को कई फायदे हुए हैं। भारत ने सिंधु नदी प्रणाली से जुड़ी रणनीतिक जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम तेज कर दिया है। एक महत्वपूर्ण परियोजना 130 किलोमीटर लंबी नहर है। यह नहर ब्यास नदी को गंगा नहर से जोड़ेगी।

साथ ही, इसे यमुना नदी तक बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। लगभग 200 किलोमीटर की इस परियोजना में 12 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है। इससे यमुना का पानी गंगासागर तक पहुंच सकेगा। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों को इस परियोजना से लाभ होगा. सरकार का कहना है कि काम तेजी से चल रहा है और दो से तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है. एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार की जा रही है।

परियोजनाओं को लेकर भी कुछ तकनीकी आपत्तियां हैं। इस पूरे मामले से दोनों देशों के बीच रिश्तों में और खटास आ गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीन पत्र

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने भारत को चार पत्र भेजे हैं। यह पत्र पाकिस्तान के जल मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा की तरफ से भेजे गए हैं। इनमें से तीन लेटर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे जा चुके हैं। पहला पत्र मई की शुरुआत में 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने से पहले भेजा गया था। इसके बाद मुर्तजा ने तीन और पत्र भेजे हैं। न्यूज 18 की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सभी पत्र जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से विदेश मंत्रालय को भेजे गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐक्शन

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत के जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान के जल मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा को एक पत्र लिखा था। पत्र में भारत ने साफ कहा था कि वह पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद का शिकार है। भारत ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए सिंधु जल संधि में अपनी भागीदारी को निलंबित करने का फैसला लिया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान ने 1960 की संधि के मूल भावना यानी आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर किया है।

क्या है भारत की रणनीति?

पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि व्यापार और आतंकवाद, पानी और खून, गोलियां और बातचीत एक

क्यों घुटनों पर आया पाकिस्तान?

संधि के निलंबन से पाकिस्तान घुटनों पर आ चुका है। संधि के निलंबन से पाकिस्तान पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे पाकिस्तान की रबी फसलें प्रभावित हो सकती हैं। कृषि के अलावा, पानी की कमी से लोगों का जीवन भी प्रभावित हो सकता है। पाकिस्तान ने इस मामले में विश्व बैंक से मध्यस्थता करने का अनुरोध किया है। हालांकि, विश्व बैंक ने भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

भारत ने आईडब्ल्यूटी को 21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से बदलने की बात कही है। भारत का कहना है कि 1950 और 1960 के दशक में बनी यह संधि अब पुरानी हो चुकी है क्योंकि अब पानी के बहाव में बदलाव आया है। साथ ही, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जनसंख्या बढ़ रही है और पानी और ऊर्जा का सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। भारत संधि को आधुनिक बनाने की बात कर रहा है, लेकिन पाकिस्तान इसका विरोध कर रहा।

भारतीय अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया संधि के नियमों के खिलाफ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कई कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं. इनमें आईडब्ल्यूटी में अपनी भागीदारी को निलंबित करना भी शामिल है।

भारतीय इंजीनियरिंग का अनोखा, नायाब नमूना है चिनाब ब्रिज !

ये देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज(पुल) है जो केबल स्टेड तकनीक पर बना है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है।यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है, जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

सुनील कुमार महला

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को चिनाब पुल का उद्घाटन करके एक बड़ी सौगात दी है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह(चिनाब पुल) दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। 6 जून 2025 को चिनाब पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। ये देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज(पुल) है जो केबल स्टेड तकनीक पर बना है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है।यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है, जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है।इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

गौरतलब है कि यह ऐतिहासिक पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। बहरहाल, पुल के उद्घाटन के दौरान् प्रधानमंत्री ने कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पाठकों को बताता चलूं कि इस ट्रेन के जरिये जम्मू से श्रीनगर का रास्ता केवल 3 घंटे का रह जाएगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह जम्मू-कश्मीर में 46 हजार करोड़ की परियोजना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि जम्मू कश्मीर को दो नई वंदे भारत ट्रेनें मिलने तथा जम्मू में नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास होने से जम्मू और कश्मीर के विकास को नई गति मिल सकेगी। यह काबिले-तारीफ है कि अब वादिए कश्मीर भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। बहरहाल, यदि हम यहां पर चिनाब पुल की बात करें तो यह ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है।चिनाब रेलवे ब्रिज को बनाने में भले ही 22 साल लगे हो, लेकिन अब इसके शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच सीधा रेल रास्ता बन जाएगा। यह पहली बार होगा जब लोग कन्याकुमारी से सीधे ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी तक जा सकेंगे।वास्तव में चिनाब ब्रिज एक स्टील और कंक्रीट से बना आर्च ब्रिज है, जो रियासी जिले के बक्कल और कौरी गांवों को जोड़ता है और ये ब्रिज चिनाब नदी के ऊपर बना है। इसकी खासियत यह है कि ये नदी के तल से 359 मीटर (लगभग 1,178 फीट) ऊंचा है। यानी यह पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से 35 मीटर और दिल?ली की कुतुब मीनार से करीब 5 गुना ऊंचा यानी कि 287 मीटर ऊंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि 272 किलोमीटर लंबे इस रेल मार्ग में 1315 मीटर(करीब 4314 फीट) का यह ब्रिज उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। पाठकों को बताता चलूं कि इस पुल का निर्माण 1486 करोड़ की लागत से किया गया है तथा यह 266 किमी प्रति घंटे तक की हवा की गति का सामना कर सकता है। साथ ही, यह ब्रिज भूकंपीय क्षेत्र पांच में स्थित है और रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता के भूकंप को सहने में सक्षम है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि इस ब्रिज की नींव 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी थी तथा इसके निर्माण में 22 साल लगे और इसकी अनुमानित उम्र 120-125 साल से अधिक है।चिनाब रेल ब्रिज की डिजाइन और तकनीकी(इंजीनियरिंग) विशेषताओं ने इसे दुनियाभर में चर्चा का विषय बना दिया है और यह पुल तकनीक के क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य को बखूबी दिखाता है। जानकारी के मुताबिक, इस ब्रिज को बनाने में 28,660 से 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस?तेमाल किया गया है। इसके साथ ही 46,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का भी यूज हुआ है। साथ ही 6 लाख से ज?यादा बोल?ट भी यूज किए गए हैं। यह काबिले-तारीफ है कि इस पुल को बनाने में नदी के प्रवाह को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है, नदी में कोई पिलर नहीं है, बल्कि इसे आर्च तकनीक(जैसा कि ऊपर जानकारी दे चुका हूं)से बनाया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसे 40 टन टीएनटी के बराबर विस्फोट सहने के लिए डिजाइन किया गया है तथा साथ ही इसमें खास पेंट का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे 20 साल तक जंग से बचाएगा। पाठकों को बताता चलूं कि वास्तव में इस पुल को किसी हमले से बचने के लिए ब्लास्ट प्रूफ स्टील से तैयार किया गया है।इस ब्रिज के निर्माण में डीआरडीओ की अचूक प्लानिंग शामिल रही है।इसे बनाने के लिए उत्तर रेलवे के साथ कोंकण, अफकान और केआरसीएल ने काम किया। इसके साथ ही भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण जैसी संस्थाएं भी जुड़ी रहीं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसमें आईआईटी रूड़की और आईआईटी दिल्ली ने भी अपना योगदान दिया है। पुल के निर्माण में 28,660 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल हुआ है। इतना ही नहीं,पुल में ऐसी तकनीक स्थापित की गई है कि कोई भी खतरा होने पर वार्निंग अलार्म खुद ही बजने लगेगा। पाठकों को बताता चलूं कि पुल में 112 सेंसर लगाए गए हैं, जो हवा की गति, टेंपरचर और कंपन आदि की जानकारी देंगे। ये न केवल एक रेलवे पुल है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर को हर मौसम में देश से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम भी है। स्वयं प्रधानमंत्री ने इस पर यह बात कही है कि -%अब लोग चिनाब ब्रिज के जरिए कश्मीर देखने तो जाएंगे ही, साथ ही ये ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा। चिनाब ब्रिज हो या फिर आंजी ब्रिज ये जम्मू-कश्मीर की समृद्धि का जरिया बनेंगे। इससे टूरिज्म तो बढ़ेगा ही इकोनॉमी के दूसरे सेक्टर्स को भी लाभ होगा। जम्मू कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी दोनों क्षेत्रों के कारोबारियों के लिए नए अवसर बनाएगी।% इससे(चिनाब पुल से) देश की सैन्य ताकत को भी कहीं न कहीं बल मिलेगा, क्यों कि कश्मीर बर्फबारी के दिनों में भारत से कट जाता था। साथ ही कई क्षेत्रों में आपात स्थिति में सेना को अपनी मूवमेंट में इस बर्फबारी के समय काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था।अब चिनाब रेलवे ब्रिज के निर्माण से हर मौसम में कश्मीर पहुंचना सेना के लिए आसान हो जाएगा। पाठकों को बताता चलूं कि इस पुल के बारे में पाकिस्तान के सबसे बड़े मीडिया संस्थानों में से एक डॉन ने यह लिखा है कि, %यह पुल चीन की सीमा से लगे भारत के बर्फीले क्षेत्र लद्दाख में रसद में भी क्रांति लाएगा।

कहना ग़लत नहीं होगा कि चिनाब और अंजी ब्रिज के उद्घाटन के साथ जम्मू-कश्मीर ने विकास की नई राह पर कदम बढ़ाया है। ये परियोजनाएं न केवल क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बेहतर करेंगी, बल्कि पर्यटन, व्यापार और आम लोगों की जिंदगी को भी आसान बनाएंगी। अब कश्मीर की सुंदरता और संसाधन देश-दुनिया से और भी करीब होंगे।अंत में यही कहूंगा कि चिनाब पुल भारतीय इंजीनियरिंग का एक नायाब व बड़ा तोहफा है, जिससे भारत को पाकिस्तान और चीन के खिलाफ रणनीतिक फायदे तो होंगे ही देशवासियों को इसका भरपूर फायदा मिलेगा।

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज़्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोज़ाना लगाने वाली चीज़ नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

भारत ने 2011 से 2023 के बीच 17 करोड़ से अधिक लोगों को घोर गरीबी से बाहर निकाला, विश्व बैंक का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अत्यधिक गरीबी दर एक दशक में तेजी से घटकर 5.3 प्रतिशत हो गई है, यह 2011-12 में 27.1 प्रतिशत थी। यह टिप्पणी की है विश्व बैंक ने। वैश्विक संस्था ने अपनी गरीबी रेखा के दायरे को भी बढ़ाकर 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन कर दिया है। विश्व बैंक ने यह भी दावा किया है कि भारत ने 2011-12 से 2022-23 के बीच के दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है।

विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि 2017 और 2021 के बीच भारत की मुद्रास्फीति दर को देखते हुए, 3 अमेरिकी डॉलर की संशोधित अत्यधिक गरीबी रेखा को आधार मानें तो भारत में गरीबी दर 5.3 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2024 में 54,695,832 लोग तीन डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे थे।

भारत में घोर घरीबी 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3त्न हो गई- रिपोर्ट में कहा गया है कि 2011-12 और 2022-23 के बीच अत्यधिक गरीबी की दर 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई। इस दौरान, निम्न मध्यम आय वाले देश (एलएमआईसी) में गरीबी दर में 33.7 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई। विश्व बैंक ने माना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न वितरण से से गरीबी में कमी आई है और ग्रामीण व शहरी गरीबी का अंतर कम हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 54 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते हैं।

भारत की वास्तविक जीडीपी कोरोना के पहले के स्तर के 5 प्रतिशत कम- अर्थव्यवस्था के बारे में, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 2025 तक कोरोना के पहले के स्तर से लगभग 5 प्रतिशत कम है। विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि यदि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं का व्यवस्थित ढंग से समाधान कर लिया जाता है तो 2027-28 तक भारत का विकास धीरे-धीरे अपनी संभावित स्थिति में पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, भारतीय आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम विद्यमान हैं, और इसका कारण वैश्विक स्तर पर नीतिगत बदलाव जारी रहना है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने से भारत के निर्यात की मांग कम होगी और निवेश में सुधार में और देरी होगी।

वित्त वर्ष 2026-28 में चालू खाता घाटा- रिपोर्ट के अनुसार चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026-28 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के औसतन 1.2 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सकल घरेलू उत्पाद के 16 प्रतिशत के आसपास स्थिर रहने का अनुमान है।

सीसीपीए का परामर्श

ई-कॉमर्स मंच तीन माह में खुद ऑडिट कर डार्क पैटर्न का समाधान खोजें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सभी ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से कहा है कि खुद आडिट करके तीन महीने में डार्क पैटर्न की समस्या का समाधान निकालें। इसका उद्देश्य ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान ग्राहकों को भ्रमित करने के लिए अपनाए जाने वाले तौर-तरीकों पर नकेल कसना है। विभिन्न तरीकों से अनावश्यक दबाव बनाकर ग्राहकों के अधिकारों को प्रभावित करना डार्क पैटर्न कहलाता है।

सीसीपीए ने पिछले दिनों उबर जैसी कंपनियों को नोटिस जारी किया था, जो त्वरित सेवाओं

के नाम पर बतौर टिप अतिरिक्त राशि भुगतान के लिए ग्राहकों पर दबाव बना रही थीं।

सीसीपीए ने कहा, ई-कॉमर्स कंपनियां यह सुनिश्चित करें कि उनके प्लेटफार्म पर उपभोक्ताओं को भ्रम में डालने वाली अनुचित व्यापार प्रथाओं पर वे लगाम लगा रही हैं। डार्क पैटर्न वाली सूचनाओं को खुद पहचान कर प्लेटफार्म से तीन महीने में हटाना होगा। ऑडिट कर यह सुनिश्चित करेंगे कि प्लेटफार्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त है। इसके लिए संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया है।

उपलब्धि:

जापान में 13 अक्तूबर तक चलने वाले ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत का 5वां स्थान, 160+ देश हैं प्रतिभागी

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप को दुनियाभर के शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की तरफ से संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में तैयार किया गया है।

भारत ने संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा- बता दें कि ओसाका एक्सपो 13

अक्तूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत मंडप ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, तकनीकी उन्नति और आधुनिकता के संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा है।

आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषय- मंडप में नवाचार, इसरो, आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषयों को दर्शाया गया है। पैवेलियन में गरबा वर्कशॉप, योग सत्र, पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन और प्रामाणिक भारतीय व्यंजन आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

'वसुधैव कुटुंबकम' को उजागर करता है मंडप- भारत मंडप की केंद्रीय थिम अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि है, जो भारत की करुणा और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इसे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त माध्यम बताया है।

एनसीएलएटी ने आकाश शेयरधारिता विवाद में बायजू की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने बायजू द्वारा आकाश शेयरधारिता मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका समाधान पेशेवर थिंक एंड लर्न द्वारा दायर की गई थी। बायजू का मालिकाना हक इसी कंपनी के पास है। याचिका में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज में कंपनी की हिस्सेदारी के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने के एनसीएलटी के आदेश को चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि चूंकि एनसीएलटी का आदेश सहमति से दिया गया एक अंतरिम आदेश है, जो दोनों पक्षों

के किसी भी अधिकार पर कोई फैसला नहीं है, इसलिए इस स्तर पर अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। 27 मार्च को एनसीएलटी ने अपने आदेश में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज द्वारा इक्विटी फंड जुटाने की योजना के तहत शेयरधारिता में बदलाव न करने और यथास्थिति बनाए रखने का अंतरिम आदेश दिया था। बायजू ने इस आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ का रुख किया था। इस आदेश को आकाश ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी, जिसने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 8 अप्रैल, 2025 को एनसीएलटी द्वारा दिए गए अंतरिम आदेश को खारिज कर दिया और मामले को दिवालियापन न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया। 30 अप्रैल, 2025 को अपनी अगली सुनवाई में इसे एनसीएलटी के संज्ञान में लाया गया, जहां समाधान पेशेवर के वरिष्ठ वकील अभिनव वशिष्ठ ने आरोप लगाया कि न केवल आकाश में टीएलपीएल (बायजू) की शेयरधारिता में कमी जारी है, बल्कि कंपनी की महत्वपूर्ण संपत्ति भी गिरवी रखी गई है।

यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित

10 वर्षों में 300 टर्बोप्रॉप बेचने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे। देश में अभी 70 एटीआर विमान संचालित हो रहे

एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है।

भारत दुनिया का तेजी से बढ़ता नागरिक उड्डयन बाजार- भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है। देश में अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौजूदा समय में, भारत में 160 से अधिक हवाई अड्डे चालू हैं।

केल्टन टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 25 के लिए शानदार वित्तीय परिणामो की घोषणा की

शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 24 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। केल्टन टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड जो डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में स्टार्टअप्स से लेकर फॉर्च्यून 500 कंपनियों तक को सेवाएं देती है, ने 31 मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष के वार्षिक परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल राजस्व भारतीय रुपये 10,999 मिलियन रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 11.7प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने भारतीय रुपये 1,298 मिलियन का एबिटा दर्ज किया, जिसकी मार्जिन 11.8प्रतिशत रही। शुद्ध लाभ 798 मिलियन रहा, जो कि साल-दर-साल आधार पर 24प्रतिशत की वृद्धि है, और शुद्ध लाभ मार्जिन 7.3 प्रतिशत रही। डायल्यूटेड ईपीएस रुपए 8.2 रहा वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व भारतीय रुपये 2,873 मिलियन रहा, जो तिमाही-दर-तिमाही 2.9प्रतिशत और साल-दर-साल 15.5प्रतिशत की वृद्धि है। इस तिमाही में एबिटा भारतीय रुपये 302 मिलियन रहा,और एबिटा मार्जिन 10.5प्रतिशत रही। वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ भारतीय रुपये 192 मिलियन रहा। तिमाही के लिए शुद्ध लाभ मार्जिन 6.7प्रतिशत और ईपीएस द्धह्लक्र 1.9 रहा। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, केल्टन टेक के चेयरमैन और फुल-टाइम डायरेक्टर, श्री नीरंजन चिंतम ने कहा- हमारे चौथी तिमाही परिणाम इस बात को दोहराते हैं कि केल्टन एक पारंपरिक श्रम-केंद्रित दृष्टिकोण के बजाय एआई -प्रथम मानसिकता के प्रति समर्पित है, जिससे परिचालन दक्षता में बाधा नहीं आती। इस तिमाही के दौरान, हर केल्टनाइट ने एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया - एआई-आधारित बिज़नेस ट्रांसफॉर्मेशन और हमारे वैश्विक ग्राहकों के लिए असाधारण वृद्धि प्रदान करना - जो कि बुद्धिमान एआई -केंद्रित समाधानों पर आधारित है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में किसानों के हितों की रक्षा करेगा भारत, शिवराज चौहान का बयान

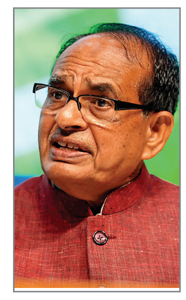

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में भारत अपने किसानों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को कृषि क्षेत्र में बाजार की अधिक पहुंच देने के मुद्दे पर भारत अपने लाभ और नुकसान का पूरा आकलन करेगा और तभी कोई समझौता किया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हमारी प्राथमिकता किसानों के हितों की रक्षा करना है। भारत आंख बंद करके कोई कदम नहीं उठाएगा। हम लाभ और हानि का विश्लेषण करेंगे और उसके बाद ही कोई समझौता किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका भारत से अपने कृषि और बागवानी के उत्पादों के लिए अधिक बाजार तक पहुंच की मांग कर रहा है। दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता में सितंबर से अक्तूबर 2025 तक पहले चरण में व्यापार समझौता तय होने की संभावना है। मंत्री ने आगे कहा, भारत और अमेरिका के बीच बातचीत जारी है। एक बात स्पष्ट है कि हम किसानों के हितों की रक्षा करेंगे।

4 कंपनियों के आईपीओ पर मिलेगा दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते 4 कंपनियों का आईपीओ खुलने जा रहा है। इसमें एक मेनबोर्ड आईपीओ भी शामिल है। इन 4 कंपनियों में से 2 कंपनियों के आईपीओ ग्रे मार्केट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

सचिरोम आईपीओ- यह एसएमई आईपीओ 9 जून को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 11 जून तक खुला रहेगा। एसएमई आईपीओ का प्राइस बैंड 96 रुपये से 102 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 1,15,200 रुपये का दांव लगाना होगा। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 30 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

जैनिक पावर एंड केबल्स आईपीओ- कंपनी का आईपीओ 10 जून को खुल रहा है। निवेशकों के पास 12 जून तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का साइज 51.30 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 100 रुपये से 110 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया गया है। कंपनी ने 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से

कम 1,20,000 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी के आईपीओ का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों को कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ जीरो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

शाकाहारी युवक मांसाहारी रेस्तरां से खाना क्यों ऑर्डर कर रहा? उपभोक्ता आयोग ने खारिज की शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपभोक्ता आयोग ने मांसाहारी खाने से जुड़े विवाद को लेकर सख्त टिप्पणी की। आयोग ने कहा कि अगर मांसाहारी भोजन से शाकाहारी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है तो वह शाकाहारी और मांसाहारी दोनों भोजन देने वाले रेस्तरां से खाना क्यों मंगवा रहा है? आयोग ने एक भोजनालय के खिलाफ दो व्यक्तियों की शिकायत को खारिज कर दिया।

भोजनालय पर आरोप लगाया गया था कि उन्हें गलत तरीके से मांसाहारी भोजन परोसा गया था। आयोग ने कहा कि यदि शिकायतकर्ता पूरी तरह से शाकाहारी थे और मांसाहारी भोजन से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, तो उन्होंने ऐसे रेस्तरां से भोजन क्यों मंगवाया, जो मांसाहारी और शाकाहारी दोनों तरह का भोजन परोसता था। बजाय इसके कि वे ऐसे रेस्तरां से भोजन मंगवाएं, जो पूरी तरह शाकाहारी था और केवल शाकाहारी भोजन परोसता था।

टाटा मोटर्स ने अपनी ट्रक रेंज में एयर कंडीशन्ड केबिन और कॉल्स लॉन्च कर

बढ़ाया ड्राइवरों का आराम

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने अपने सभी ट्रकों में फैक्ट्री-फिटेड एयर कंडीशनिंग सिस्टम लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नया अपग्रेड एसएफसी, एलपीटी, अल्ट्रा, सिग्ना और प्राइमा केबिन्स के साथ-साथ पहली बार कॉल मॉडल्स में भी उपलब्ध होगा। इसके साथ ही कंपनी ने ट्रकों की पावर बढ़ाने समेत कई नई सुविधाएं भी पेश की हैं। इन बदलावों के जरिए टाटा मोटर्स ट्रक ड्राइवरों को बेहतर आराम देने और ट्रकिंग अनुभव को और प्रभावी बनाने के लिए नए मानक तय कर रही है। इस मौके पर टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड (ट्रक्स), राजेश कौल ने कहा, एयर-कंडीशन्ड केबिन और कॉल्स की यह सुविधा ड्राइवरों के लिए आरामदायक माहौल तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे उनकी उत्पादकता भी बढ़ेगी। ग्राहकों की राय को ध्यान में रखते हुए और स्मार्ट इंजीनियरिंग के जरिये हमने कई ऐसे बदलाव किए हैं जो लंबे समय तक फायदा देंगे। इन सुधारों से ट्रक मालिकों को स्वामित्व की लागत कम करने में मदद मिलेगी और मुनाफा बढ़ेगा। नया एयर-कंडीशनिंग सिस्टम इको और हेवी, दो मोड में काम करता है। यह बेहतर ऊर्जा दक्षता के साथ तेज और संतुलित कूलिंग प्रदान करता है। अब बचत फीचर्स, जैसे इंजन के बेकार चलने पर ऑटो-शट ऑफ, और रियल टाइम अलर्ट के लिए वॉयस मैसेजिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों

टाटा मोटर्स के हेवी ट्रक्स, टिपर्स और प्राइम मूवर्स 320 हॉर्सपावर तक की उच्च पावर देंगे। साथ ही, फ्यूल बचत बढ़ाने के लिए ट्रकों में कई इंटेलिजेंट तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इसमें ड्यूटी-साइकिल आधारित फ्यूल के विशाल पोर्टफोलियो को देशभर में 3000 से ज्यादा टचप्वाइंट्स और कंपनी कीसम्पूर्ण सेवा 2.0 पहल का मजबूत समर्थन प्राप्त है। यह सेवा वाहनों के पूरे जीवनचक्र को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है।

आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक अब जबलपुर में

जबलपुर, एजेंसी। वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट व स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि अपने आप में ही अनगिनत खूबियों से सुसज्जित है ये क्लिनिक, जटिल से जटिल श्रवण समस्या का निदान भी चुटकियों में होगा संभव जबलपुर में मध्यभारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का शुभारंभ जबलपुर में 8 जून को शाम 5 बजे हुआ। रसल चौक, बराट रोड, समदड़िया होटल के समीप स्थित क्लिनिक में बच्चे, बड़े, वयस्क व बजुर्ग जिनको सुनने, बोलने में त्रुटि है, उन्हें सबसे एडवांस ट्रीटमेंट मिल सकेगा। वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि यह लैब अपनी खूबियों के चलते मध्यभारत की सबसे आधुनिक लैब कही जा सकती है। इसमें हमने कई सेक्शन्स रखें हैं, जिनमें श्रवण की जटिल से जटिल समस्याओं का निदान मिल सकेगा। वार्ता में अविनाश पवार, एमडी एंड सीईओ डब्ल्यू एस ऑडियोलॉजी, किशलय चक्रवर्ती, बिजनेस हेड सिग्निया, अक्षय गुप्ता असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट हिअर डॉट कॉम, मोहन स्वामी हेड ऑडियोलॉजिस्ट डबल्यू ऑडियोलॉजी, प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास डोरासला, ईएनटी सर्जन और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट के साथ गेलाऊडेट यूनिवर्सिटी की फॉर्मर प्रोफेसर डॉ सनयोक्ता जायसवाल और वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लीनिक की एमडी डॉ सोनल मेहरा मौजूद रहीं।

ओला इलेक्ट्रिक ने भोपाल में रोडस्टर एक्स की डिलीवरी शुरू की

भोपाल। भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने शुक्रवार से भोपाल में अपनी रोडस्टर एक्स मोटरसाइकिलों की डिलीवरी शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने राइड द फ्यूचर अभियान के तहत पहले 5,000 ग्राहकों के लिए 10,000 रुपए मूल्य के ऑफर की भी घोषणा की। इन्हें एक्सटेंडेड वॉरंटी, मूवओएस+ और आवश्यक देखभाल फ्री में मिलेगी।

रोडस्टर एक्स सीरीज़ में मिड-ड्राइव मोटर है, जो परफॉर्मेंस और सेफ्टी को बढ़ाती है। रोडस्टर सीरीज़ की पॉवरट्रेन में चेन ड्राइव और एक इंटीग्रेटेड एमसीयू भी है। यह टॉर्क को आराम से ट्रांसफर करता है। इससे बेहतर एक्सेलरेशन, यानि त्वरण और रेंज मिलती है। रोडस्टर एक्स सीरीज़ की मोटरसाइकिलों में फ्लैट केबल भी हैं।

यह इंडस्ट्री फर्स्ट इनोवेशन है, यानि इसका इस्तेमाल बाइक इंडस्ट्री में पहली बार किया गया है। ये केबल्स बाइक को हल्का बनाते हैं, जगह बचाते हैं, और थर्मल परफॉर्मेंस को बढ़ाते हैं। यानि इनमें गर्मी को बेहतर तरीके से संभालने की क्षमता होती है। इससे बाइक ज्यादा टिकाऊ और भरोसेमंद बनती है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और एमडी, भाविश अग्रवाल ने कहा, स्कूटर तो बस शुरुआत थी। रोडस्टर एक्स, मोटरसाइकिलिंग सेगमेंट में हमारे प्रवेश को चिह्नित करने वाली एक साहसिक छलांग है।

रोडस्टर एक्स को भारत में एक ऐसी पीढ़ी के लिए डिज़ाइन, इंजीनियर और निर्मित किया गया है, जो भविष्य की बाइक चलाना चाहते हैं। आज से शुरू होने वाली डिलीवरी के साथ, रोडस्टर एक्स टू व्हीलर कैटेगरी में ईवी की वास्तविक क्षमता को अनलॉक करेगी। ईवी अपनाने और एंडआईसीएज (ष्टश्वठ्ठस्रद्भष्टश्वद्दद्ग) में प्रवेश को गति भी देगी।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने सांसद प्रिया सरोज से की सगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने रविवार 8 जून को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई कर ली। उनकी शादी इस साल 18 नवंबर को होने वाली है। प्रिया के पिता तूफानी सरोज ने कहा कि सगाई समारोह एक निजी कार्यक्रम था, जिसमें करीबी परिवार के सदस्य, दोस्त और रिश्तेदार शामिल हुए थे। 27 वर्षीय रिंकू ने पिछले कुछ सालों में भारत के लिए 2 वनडे और 33 टी20 मैच खेले हैं और वह आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स की एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। 26 वर्षीय प्रिया जौनपुर के मछ्लीशहर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार सांसद बनी हैं। दुल्हन के पिता ने कहा, रिंकू और प्रिया एक-दूसरे को काफी समय से जानते हैं। उनकी मुलाकात प्रिया के दोस्त के पिता के जरिए हुई, जो खुद एक क्रिकेटर हैं। दोनों परिवारों के आशीर्वाद से उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

प्रीति जिंटा के सामने किया खुलासा

20 करोड़ मिलते ही श्रेयस अय्यर वॉशरूम में भागे

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स को 2014 के बाद पहली बार आईपीएल के फाइनल पहुंचाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक बड़ा खुलासा करके सबको चौंका दिया है. उन्होंने पंजाब की को-ओनर प्रीति जिंटा के सामने इस बात का खुलासा किया कि इस सीजन की नीलामी के दौरान जब उन्हें 20 करोड़ रुपये से ऊपर रकम मिलने की जानकारी मिली तो वो सीधे वॉशरूम की ओर भाग गए थे. श्रेयस अय्यर को इस सीजन में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था.

श्रेयस ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और टीम को खिताबी मुकाबले तक ले गए, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगुलरु ने पंजाब को 6 रन से हराकर पहली बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया था. पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था. इसके बावजूद केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया था. आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में वो 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर उतरे थे, लेकिन पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल कर लिया था. वो ऋषभ पंत के बाद ढ्ढक्क के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं. श्रेयस अय्यर ने प्रीति जिंटा को दिए एक इंटरव्यू में कहा, आईपीएल 2025 के मेगा नीलामी के दौरान जब मेरी बोली 20 करोड़ के पार पहुंची तो मुझे घबराहट होने लगी और मैं वॉशरूम में चला गया था. श्रेयस अय्यर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) और पंजाब किंग्स में होड़ लगी हुई थी. शुरू में इसमें कोलकाता नाइट राइडर्स भी शामिल हुआ था, लेकिन 10 करोड़ की बोली लगाने के बाद वो पीछे हट गया, पर पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स में बोली जारी रही. दिल्ली कैपिटल्स ने 26.50 करोड़ रुपये तक बोली लगाई, लेकिन अंत में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये की बोली लगाकर बाजी मार ली और श्रेयस अय्यर को अपनी टीम में शामिल कर लिया.

आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

पंजाब के कप्तान बनने के बाद श्रेयस अय्यर टीम को एक नई ऊंचाई तक ले गए. उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाया. हालांकि फाइनल में पंजाब भले ही हार गई, लेकिन उसने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करके सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया. इसके अलावा श्रेयस अय्यर ने बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने इस सीजन में 16 मैचों में 50.33 की औसत से 604 रन बनाए हैं. इसमें 6 अर्धशतक शामिल हैं.

फ्रेंच ओपन

कोको गॉफ ने जीता फ्रेंच ओपन

सबालेंका को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-2 कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन जीत लिया है। 21 साल की अमेरिकन स्टार ने शनिवार को विमेंस सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में दुनिया की नंबर-1 टेनिस स्टार आर्यना सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराया। दो घंटा 38 मिनट चले मुकाबले में सबालेंका ने पहला सेट 7-6 से जीत लिया था। गॉफ ने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता है। वे 2023 में यूएस ओपन चैंपियन बनी थी। इस टूर्नामेंट में 10 साल बाद अमेरिका की खिलाड़ी चैंपियन बनी हैं। गॉफ से पहले यहां सेरेना विलियम्स 2015 में चैंपियन बनी थी। पेरिस के फिलिप-चेट्रीर कोर्ट में गॉफ ने पहला सेट 7-6 से गंवाया। फिर अगले दो सेट 6-2, 6-4 से जीतते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष वर्ग में सर्बिया के नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल मैच हार गए। हार के बाद जोकोविच ने कहा- शायद यह मेरा आखिरी मैच था। मुझे नहीं पता, इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक हूं। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे।

तय कार्यक्रम के अनुसार भारत आएंगे लियोनल मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिसमें बताया जा रहा था कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने केरल का अपना निर्धारित कर दिया है। अब्दुरहीमान ने स्पष्ट किया कि लियोनल मेसी और उनकी टीम तय कार्यक्रम के अनुसार केरल आएगी। उन्होंने बताया कि प्रायोजक ने इस आयोजन के लिए मैच फीस का भुगतान कर दिया है।

अक्तूबर-नवंबर में आ सकती है टीम

अब्दुरहीमान ने कहा कि अर्जेंटीना की टीम के इस साल अक्तूबर-नवंबर में आने की अधिक संभावना है। इस दौरे के दौरान टीम को सरकारी मेहमान की सुविधाएं मिलेंगी। सरकार उनकी सुरक्षा, आवास और अन्य सुविधाओं का खर्च भी उठाएगी। मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें थी कि अर्जेंटीना की टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध के नियमों का उल्लंघन किया है। खेल मंत्री ने हालांकि राज्य में फुटबॉल के प्रशंसकों की उम्मीदों को बनाए रखने की कोशिश की है।

मंत्री ने प्रायोजक को दिया धन्यवाद

अब्दुरहीमान और प्रायोजक दोनों ने इन रिपोर्टों को दृढ़ता से खारिज कर दिया था और दोहराया था कि विश्व चैंपियन खिलाड़ी केरल में मैत्री मैच का हिस्सा होगा। मंत्री ने फेसबुक पर एक संक्षिप्त पोस्ट लिखकर कहा कि मेसी आएंगे। इससे यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया। उन्होंने इस पोस्ट में प्रायोजक को भी धन्यवाद दिया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल:

टॉम मूडी ने बताया ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका में कौन बन सकता है विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में ऐतिहासिक डब्ल्यूटीसी के फाइनल की शुरुआत होगी। दोनों देश लॉर्ड्स में आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप को जीतने के लिए खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका दो दशकों में अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इरादा लेकर फाइनल में उतरने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया ने जून 2023 में ओवल में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल के पिछले एडिशन में भारत को शिकस्त दी थी। इस बार ऑस्ट्रेलियाई खेमा गदा अपने पास ही बरकरार रखना चाहेगा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी का मानना है कि आईसीसी इवेंट्स में ऑस्ट्रेलिया अपने खेल को एक अलग ही लेवल पर लेकर जाता है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी बढ़त बनाए रखेगा। टॉम मूडी ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया ने प्रमुख टूर्नामेंट्स में लगातार सफलता के साथ अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। जब आईसीसी इवेंट्स की बात आती है, तो ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में अपने खेल को दूसरे लेवल पर ले जाती है। वह सच में टूर्नामेंट की चुनौतियों को स्वीकारते हैं और दबाव वाले मुकाबलों में निखरते हैं। यह आत्मविश्वास है। ऐतिहासिक रूप से उनके कई खिलाड़ियों ने कई आईसीसी टूर्नामेंट जीते हैं। वह अपनी पिछली पीढ़ियों को सफलता हासिल करते देखते बड़े हुए हैं। जीतने की मानसिकता उनमें समाई हुई है। पिछले दो सालों में प्रोटियाज ने आईसीसी इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका पुरुष विश्व कप सेमीफाइनल, चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल, पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल और अब डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचा है। मूडी का मानना ??है कि ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका की तुलना में थोड़ा ज्यादा फायदा है, क्योंकि उन्हें इस तरह के उच्च दबाव वाले हालात का ज्यादा अनुभव है।

वर्ल्ड कप से ठीक पहले लिया चौंकाने वाला फैसला

इंग्लैंड की दिग्गज क्रिकेटर ने अचानक छोड़ा क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज से ठीक पहले इंग्लैंड की स्टार स्पिनर ने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है. महिला प्रीमियर लीग 2025 में यूपी वारियर्स की ओर से खेलने वाली ये खिलाड़ी कब तक ब्रेक पर रहेंगी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन इसी साल सितंबर में होने वाली महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले उनका ब्रेक पर जाना इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है.

ये खिलाड़ी इंग्लैंड की ओर से क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेलती हैं और वो 177 मैचों में 297 विकेट चटका चुकी हैं. उनके न खेलने की वजह से इंग्लैंड की गेंदबाजी कमजोर दिखाई दे रही है. इसके अलावा इंग्लैंड को इसी महीने से भारत से टी20 और वनडे सीरीज खेलनी है. 6 साल की सोफी एक्लेस्टनने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला क्यों किया है? इस मामले से इंग्लैंड के हेड कोच छार्लेट एडवर्ड्स ने पर्दा उठाया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक एडवर्ड्स ने बताया कि सोफी फिलहाल क्वाड्स यानी की जांघ की मसल की चोट

से जूझ रही हैं. इसकी वजह से उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है. वनडे की नंबर-एक इस गेंदबाज को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान भी ब्रेक पर रखा गया गया था. उस दौरान सोफी घुटने की चोट से रिकवरी कर रही थीं.

28 जून से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैड के कोच ने बताया कि सोफी पिछले कुछ समय से चोट से परेशान हैं. इसी वजह से उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लिया है. वो कितने समय तक ब्रेक पर रहेंगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है. लेकिन पूरी टीम उनके फैसले के साथ है. एडवर्ड्स ने कहा कि हम चाहते हैं कि वो भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले फिट हो जाएं, लेकिन इसका फैसला सोफी ही लेंगी. भारतीय महिला टीम 28 जून से इंग्लैंड में टी20 और वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 मैच और तीन वनडे मैच होंगे. इसके अलावा सितंबर से महिला वनडे वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है. इसको लेकर सभी टीमें तैयारियों में जुट गई हैं.

ये है भारत का कार्यक्रम

पहला टी20 मैचः 28 जून को नॉटिंघम में दूसरी टी20 मैचः 1 जुलाई को ब्रिस्टल में तीसरा टी20 मैचः 4 जुलाई को द ओवल में चौथा टी20 मैचः 9 जुलाई को मैनचेस्टर में पांचवां टी20 मैचः 12 जुलाई को बर्मिंघम में पहला वनडे मैचः16 जुलाई को साउथेम्प्टन में दूसरा वनडे मैचः 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरा वनडे मैचः 22 जुलाई को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में

नीदरलैंड के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एम्सटलवीन, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में पहले मैच में मिली हार से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। भारत ने शनिवार को पहले मैच में एक गोल की बढ़त गंवा दी और उसे ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने पहले हाफ के शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। नीदरलैंड ने हालांकि शानदार वापसी की तथा थिज वान डैम के दो गोल की मदद से जीत हासिल की। डैम के गोल में 58वें मिनट में किया गया विजयी गोल भी शामिल था। प्रतियोगिता में अभी सात मैच और खेले जाने बाकी हैं और भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने मैच के बाद कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन तीसरा क्वार्टर उतना अच्छा नहीं रहा। चौथे क्वार्टर में हमने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और गेंद पर कब्ज़ा करने में सफल रहे, लेकिन हम गोल पर कोई शॉट नहीं लगा पा रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस तरह से हारना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि मुझे लगा था कि हम ड्रॉ के लिए प्रयास कर सकते हैं। हम विशेष कर नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। अगले वर्ष होने वाले विश्व कप में स्थान पक्का करने के लिए भारत का लक्ष्य शेष मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना तथा अपने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अधिकतम अंक हासिल करना होगा।

आईपीएल तो खत्म हो गया...

अब मैदान पर कब दिखेंगे विराट कोहली?

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 अपने नाम कर लिया था. रजत पाटीदार की अगुवाई में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां पहली बार आईपीएल चैम्पियन बनी, वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की पहली खिताबी जीत का इंतजार कायम रहा. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत में पूर्व कप्तान विराट कोहली की अहम भूमिका रही थी, जिन्होंने 15 मैचों में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए.

अब कोहली कब दिखेंगे मैदान पर?

आईपीएल 2025 की समाप्ति के बाद भारतीय फैन्स की निगाहें टीम इंडिया के इंग्लैंड दौरे पर रहने वाली हैं. इंग्लैंड दौरे पर भारत को मेजबान टीम के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. इस टेस्ट सीरीज का पार्ट विराट कोहली नहीं रहने वाले हैं क्योंकि उन्होंने पिछले महीने (12 मई) टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया था. कोहली टी20 इंटरनेशनल से पहले ही संन्यास ले चुके थे, ऐसे में वो अब केवल वनडे इंटरनेशनल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते नजर आने वाले हैं. यानी विराट कोहली अब अगस्त के महीने में मैदान पर दिखाई दे सकते हैं. बता दें कि भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा 4 अगस्त को समाप्त होना है. फिर भारतीय टीम को बांग्लादेश दौरे पर जाना है, जहां उसे तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं. इस बात की पूरी संभावना है कि बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली खेलेंगे. कोहली के अलावा रोहित शर्मा भी उस वनडे सीरीज का पार्ट रहेंगे और टीम की कप्तानी भी करेंगे. भारत और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 17 अगस्त को होगा. यानी कोहली उस मुकाबले के जरिए एक्शन में दिखेंगे.

फिर 20 अगस्त और 23 अगस्त को बाकी के दो वनडे मुकाबले होंगे. इसके बाद 26 अगस्त, 29 अगस्त और 31 अगस्त को टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले जाएंगे. भारत-बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच बढ़ती क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता को और मजबूत करेगी.

भारत- बांग्लादेश शेड्यूल

- पहला वनडे- 17 अगस्त (रविवार), मीरपुर
- दूसरा वनडे- 20 अगस्त (बुधवार), मीरपुर
- तीसरा वनडे-23 अगस्त (शनिवार), चटगांव
- पहला टी20- 26 अगस्त (मंगलवार), चटगांव
- दूसरा टी20- 29 अगस्त (शुक्रवार), मीरपुर
- तीसरा टी20- 31 अगस्त (रविवार), मीरपुर

कोहली का अब पूरा फोकस वनडे क्रिकेट पर

विराट कोहली टी20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट बाद अपना पूरा फोकस वनडे क्रिकेट पर लगाने जा रहे हैं. कहा जा रहा है कोहली का अंतिम लक्ष्य वनडे वर्ल्ड कप 2027 है, जहां वो खिताबी जीत के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट से विदाई लेना चाहेंगे. 2027 का ओडीआई वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर के महीने होना है. यानी उस वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का समय बचा हुआ है. भारतीय टीम को वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए कम से कम 27 वनडे मुकाबले मिलने जा रहे हैं. यानी विराट कोहली के पास वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए ये एक बड़ा प्लेटफॉर्म होगा. मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक ओडीआई वर्ल्ड कप 2027 से पहले भारतीय टीम आठ अलग-अलग देशों के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी. इस दौरान न्यूजीलैंड एकमात्र ऐसी टीम रहेगी, जिसके खिलाफ टीम इंडिया दो बार वनडे सीरीज खेलने उतरेगी.

प्रदेश में बढ़ने लगी तपिश, ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में चल सकती है लू

भोपाल निप्र। दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी भी मुंबई में ठहरा हुआ है। वैसे तो अलग-अलग स्थानों पर पांच मौसम प्रणालियां मौजूद हैं, लेकिन पर्याप्त नमी नहीं मिलने के कारण मध्य प्रदेश में अधिकतम तापमान बढ़ने लगा है। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक 42.2 डिग्री सेल्सियस तापमान गुना एवं खजुराहो में दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक नर्मदापुरम में पांच एवं इंदौर में 0.5 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार चार दिन में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

यहां चल सकती है लू: ग्वालियर, चंबल एवं सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं लू भी चल सकती है। मौसम विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, बालुरघाट से होकर ही गुजर रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है।

पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बना चक्रवात: उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। इसी तरह उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात है। इसके अतिरिक्त पूर्व विदर्भ से उत्तरी कर्नाटक तक एक द्रोणिका बनी हुई है, लेकिन हवाओं के साथ पर्याप्त नमी नहीं आ रही है। इस वजह से तापमान बढ़ने लगा है। इस तरह की स्थिति चार दिन तक बनी रह सकती है। इस दौरान ग्वालियर, चंबल एवं सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं लू भी चल सकती है।

प्रदेश के 10 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार

प्रदेश में शनिवार को मौसम के दो रंग देखने को मिले। इंदौर, नर्मदापुरम और बड़वानी के सेंधवा में हल्की बारिश हुई। वहीं, ग्वालियर समेत 10 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो और गुना में पारा 42.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, ग्वालियर, नौगांव, शाजापुर, सतना, टीकमगढ़ और शिवपुरी में 41 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। उज्जैन, सीधी, रीवा, सागर और रतलाम में तापमाान 40.2 से 40.8 डिग्री तक रहा।

इसलिए बदला मौसम

आईएमडी की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, साइक्लोनिक सकुर्लेशन की एक्टिविटी की वजह से मौसम बदला हुआ है। बनी हुई है। इस वजह से आंधी-बारिश वाला मौसम है। अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इस बार भीषण गर्मी में भी आंधी-बारिश वाला मौसम रहा। प्रदेश में 26 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था, जो 7 जून को भी जारी रहा। यानी, लगातार 43 दिन से प्रदेश के किसी न किसी जिले में पानी गिर रहा है, या आंधी चल रही है। शनिवार को भी कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा।

पंचायतों में सरकार की कड़ी कार्रवाई

कई सचिवों को हटाया, मचा हड़कंप

भोपाल निप्र। प्रदेश में पंचायतों में भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। कई ग्राम पंचायतों के सचिवों को हटा दिया गया है। प्रदेश के दो जिलों में ये सख्ती की गई है। यहां के अनेक ग्राम सचिवों को निलंबित कर उन्हें पंचायतों से हटा दिया गया है। सरकार की इस सख्ती से हड़कंप मच गया है। कटनी के जिला पंचायत के सीइओ सीईओ शिशिर गेमावत और बैतूल के जिला पंचायत के सीइओ सीईओ अक्षत जैन ने मध्यप्रदेश पंचायत सेवा नियमों के अंतर्गत ये कार्रवाई की। दोनों जिलों में जहां कई पंचायत सचिवों को निलंबित कर दिया गया है वहीं कुछ अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। बैतूल जिले में राज्य सरकार के सबसे महत्वाकांक्षी अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान तक में ग्राम पंचायत सचिवों की लापरवाही सामने आई है।

प्रदेश के कटनी जिले में जिला पंचायत सीइओ सीईओ शिशिर गेमावत ने 3 पंचायत सचिवों को निलंबित कर दिया है। इसी प्रकार बैतूल जिले में जिला पंचायत के सीइओ सीइओ अक्षत जैन ने भी 3 पंचायत सचिवों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। काम में लापरवाही और अनियमितता की वजह से ये कदम उठाया गया है।

स्वीकृत खेत तालाब, कुएं रिचार्ज और कुछ पुराने काम अपूर्ण

2 जून 2025 को हुई समीक्षा बैठक में इन तीनों सचिवों का कामकाज असंतोषजनक पाया गया था। स्वीकृत खेत तालाब, कुएं रिचार्ज और कुछ पुराने काम भी तय समय सीमा में अपूर्ण पाए गए। जिला पंचायत सीइओ अक्षत जैन ने जनपद पंचायत चिचोली की असाडी और कामठामाल, जनपद पंचायत शाहपुर की ढुमका रैयत, केसिया, ढोढरामऊ, जनपद पंचायत आमला की डंगारिया और ब्राम्हणवाडा तथा जनपद पंचायत प्रभात पट्टन की ग्राम पंचायत पचधार के ग्राम सचिवों की लापरवाही पर भी सख्ती दिखाई है। इन सभी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किए गए हैं। इसके साथ ही,कई ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायकों को भी नोटिस जारीकर जवाब मांगे गए हैं।

बैतूल जनपद पंचायत आमला की ग्राम पंचायत नांदपुर के सचिव गुलाबराव पंडाग्रे, जनपद पंचायत भीमपुर की ग्राम पंचायत दामजीपुरा के सचिव हेमराज घोरसे और जनपद पंचायत चिचोली की ग्राम पंचायत नसीराबाद के सचिव रामाधार यादव को निलंबित किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत सीइओ अक्षत जैन ने ये कार्रवाई की है।

कटनी में भी ग्राम पंचायत सचिवों पर सख्त कार्रवाई

इधर कटनी में भी जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत सचिवों पर सख्त कार्रवाई की है। यहां की जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा और बहोरीबंद के 3 पंचायत सचिवों को निलंबित कर दिया गया है। ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत की पंचायत गोपालपुर के सचिव लखनलाल बागरी, ढीमरखेड़ा की ही ग्राम पंचायत अंतर्वेद के ?सचिव बंशुरउलहक मंसूरी और जनपद पंचायत बहोरीबंद की पंचायत स्लीमनाबाद के सचिव काशीराम बेन को निलंबित कर दिया गया है। मप्र पंचायती राज्य सेवा अधिनियम 1998 के तहत कदाचरण को दोषी पाते हुए तीनों को पंचायतों से हटा दिया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय जनपद पंचायत मुख्यालय तय किया गया है और इन्हें जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

प्रदेश के 41 सीएमएचओ और सिविल सर्जन बदले

भोपाल निप्र। प्रदेश सरकार ने भोपाल सहित प्रदेश के 41 सीएमएचओ और सिविल सर्जन के पदों पर बदलाव किए हैं। डॉ. प्रभाकर तिवारी, जो 5 वर्षों से भोपाल के सीएमएचओ थे, को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में भेजा गया है। उनकी जगह डॉ. मनीष शर्मा को भोपाल का नया सीएमएचओ नियुक्त किया गया है, जो ग्वालियर में उप संचालक के रूप में पदस्थ थे। डॉ. मनोज हुरमाडे को भोपाल से बैतूल भेजा गया है, और डॉ. दिनेश खत्री को रायसेन से राजगढ़ भेजा गया है। अन्य जिलों में भी कई सीएमओ और सिविल सर्जन के तबादले हुए हैं, जिनमें इंदौर, सिवनी, धार, छतरपुर, शाजापुर, नरसिंहपुर और राजगढ़ शामिल हैं। **भोपाल और इंदौर में नए CMHO मिले:** मध्य प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। पांच साल से जमे भोपाल छ्रस्नाह्र डॉ. प्रभाकर तिवारी को हटाकर उन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में भेजा गया है। उनकी जगह डॉ. मनीष शर्मा को भोपाल का नया छ्रस्नाह्र नियुक्त किया गया है। डॉ. शर्मा वर्तमान में ग्वालियर में उप संचालक के रूप में कार्यरत थे और क्षयरोग विशेषज्ञ हैं। इसी तरह इंदौर सहित अन्य जिलों में भी नए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

5 साल से भोपाल में जमे CMHO डॉ. प्रभाकर तिवारी को हटाया

इन अधिकारियों के हुए तबादले

डॉ. राजेश अठ्या	कटनी से दमोह
डॉ. राज सिंह ठाकुर	कटनी में प्रभारी सीएमएचओ
डॉ. मनोज हुरमाडे	भोपाल से बैतूल
डॉ. दिनेश खत्री	रायसेन से राजगढ़
डॉ. बी.के. वर्मा	दतिया में प्रभारी सीएमएचओ
डॉ. दर्पण टोके	बुरहानपुर में सिविल सर्जन
डॉ. व्ही.एस. चंदेल	उमरिया में प्रभारी सीएमएचओ
डॉ. अलका त्रिवेदी	अशोकनगर में प्रभारी सीएमएचओ
डॉ. माधव हसानी	इंदौर में प्रभारी सीएमएचओ
डॉ. पवन जैन	ग्वालियर में राज्य स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान के प्रभारी संचालक
डॉ. रामकुमार गुप्ता	ग्वालियर प्रशिक्षण केंद्र में प्रभारी प्राचार्य।

इसके अलावा जबलपुर, उज्जैन, टीकमगढ़, मंडला, विदिशा, नर्मदापुरम सहित कई जिलों में भी सिविल सर्जन और सीएमएचओ बदले गए हैं।

भोपाल के दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग कांड में

लापरवाही बरतने वाले अशोका गार्डन टीआई को हटाया

भोपाल निप्र। देशभर में चर्चित हुए राजधानी के चर्चित दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग कांड में लापरवाही बरतने पर अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव को हटा दिया गया है। डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने अपने स्थानांतरण से ठीक पहले शुक्रवार को थाना प्रभारी को लाइन अटैच करने के आदेश जारी किए। हेमंत श्रीवास्तव पर हिंदू छात्राओं को निशाना बनाकर दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाले आरोपितों से जुड़े अन्य लोगों पर कार्रवाई न करने के आरोप थे। पीड़िताओं ने अपने बयान में टीआईटी कॉलेज में हिंदू युवतियों से संबंध रखने वाले पांच से छह मुस्लिम छात्रों के गिरोह से जुड़े होने का संदेह जताया था, लेकिन जब टीम वहां पहुंची तो संदेही गायब हो गए। बाद में पुलिस ने भी उनकी जांच में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

केस दर्ज होने के बाद नबील और अबरार भागे: बागसेवनिया में 18 अप्रैल को केस दर्ज करने से पहले फरहान और साहिल के अलावा गिरोह के अन्य लोगों पर आरोप नहीं था। बाद में अशोकागार्डन में केस पहुंचने से पहले ही अबरार और नबील भोपाल से भाग गए।

डेढ़ महीने बाद तक अबरार का सुराग न मिलना

केस दर्ज होने को डेढ़ महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अब तक अबरार का सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस उसे पश्चिम बंगाल के कोलकाता और बिहार के अलग-अलग ठिकानों पर ढूंढ चुकी है। अंदेशा है कि वह पुलिस से छुपने बांग्लादेश भाग गया है।

टीआईटी कॉलेज के संदेहियों की जांच न करना

कॉलेज की पीड़िताओं ने कॉलेज में चल रहे लव जिहाद के पूरे रैकेट के बारे में बताया था, लेकिन पुलिस की टीम सिर्फ खानापूर्ति के लिए वहां पहुंची। जिन पांच-छह लोगों के नाम सामने आए थे, वे टीम के पहुंचने से पहले गायब हो गए। बाद में लापरवाहीपूर्वक उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

एसआईटी ने की शिकायत, महिला आयोग भी जांच से नाखुश

प्रदेशभर में लव-जिहाद के मामलों की जांच के लिए बनाई गई एसआईटी के अधिकारियों ने भी अशोकागार्डन पुलिस की सुस्त कार्रवाई को लेकर पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी। साथ ही अशोकागार्डन थाने में दर्ज मामलों की जांच पर महिला आयोग की रिपोर्ट ने भी अंसतुष्टी जाहिर की थी।

आबकारी विभाग ने परवलिया सड़क स्थित एक दुकान से 55000 रु कीमत की अवैध शराब जप्त की

भोपाल नप्र। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष प्रभारी आर.जी.भदौरिया के नेतृत्व में भोपाल जिले की आबकारी टीम ने परवलिया सड़क ग्रामीण क्षेत्र में अवैध शराब की बड़ी कार्रवाही को अंजाम दिया। टीम ने 55000 रुपये की अवैध शराब की जप्त। टीम ने परवलिया सड़क में दुकान बनाकर अवैध शराब बेचते हुए सनमान अहिरवार पिता गोगरे अहिरवार के पास से 06 बोतल अफ़ीसर्स चॉइस,160 पाव माइलस्टोन व्हिस्की,101 पॉवर 10000 केन बियर,40 पाव प्लेन मदिरा कुल 91 बल्क लीटर अवैध देशी विदेशी शराब जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 55,000 रुपए है ल उसे जप्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1),34(2)के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को जेल रिमांड पर भेजा गया। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती अनु बांझल द्वारा की गई एव कार्यवाही में सम्पूर्ण जिला अमला मौजूद रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मनाया बावड़ी उत्सव

भोपाल नप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बैरसिया जिला भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में बैरसिया के शिवाजी चौक, मां कालका मंदिर के पास स्थित वार्ड क्रमांक-09 में श्री बिहारी सिंह, श्री फतेह सिंह की लगभग 200 वर्ष प्राचीन धरोहर में बावड़ी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्रमदान और साफ-सफाई के पश्चात श्री नर्मदा जी का पूजन अर्चन कर बावड़ी में दीप प्रज्वलन और आकर्षक रंगोली बनाकर साज सज्जा की गई। विकासखंड समन्वयक श्री मुकेश गौर ने बताया कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर संपूर्ण प्रदेश में बावड़ी उत्सव मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजीव कुमार शर्मा, नवांकुर संस्था से अश्विनी गोस्वामी प्रेम कुशवाहा, अर्जुन मालवीय, विजयराम नरेंद्र सिंह, परामर्शदाता मुकेश माहेश्वरी, रवींद्र सोनिया, सुशील पंड्या, पूजा त्यागी, कालूराम सहित बड़ी संख्या समिति सदस्य, छात्र और ग्रामीणजन सम्मिलित हुए।

शाहिद ख़ान को शिक्षक संघ का भोपाल संभाग अध्यक्ष बनाया गया

भोपाल। राज्य में सरकारी शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रांतीय शिक्षक संघ मप्र ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए शिक्षकों के हितों और उनकी मांगो को पूरा करने की लड़ाई लड़ने वाले माध्यमिक शिक्षक मोहम्मद शाहिद ख़ान को अपना भोपाल संभाग अध्यक्ष बनाया है।संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोहर प्रसाद दुबे और संगठन मंत्री रामचरण वर्मा ने ख़ान का नियुक्ति पत्र जारी किया है।शाहिद ख़ान के भोपाल संभाग अध्यक्ष बनने पर ज़िले के शिक्षको में हर्ष व्याप्त है।संभाग अध्यक्ष बनाए जाने पर ख़ान ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है साथ ही उनको आश्वस्त करते हुए कहा है कि उनको जो ज़िम्मेदारी दी गई है वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ उसका निर्वहन करेंगे।

सीएमएचओ कार्यालय की टीम ने बिना अनुमति संचालित क्लिनिक्स को किया बंद

भोपाल नप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल कार्यालय द्वारा बिना अनुमति संचालित क्लिनिक्स की जांच निरंतर की जा रही है। जिले में विभिन्न क्लिनिक्स के लाइसेंस की जांच की गई। इस दौरान सुंदर नगर, अशोका गार्डन में संचालित लाइफ केयर क्लिनिक में सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी लाइसेंस नहीं पाए जाने पर इसे बंद करवाया गया है। संचालक के पास बायोमेडिकल वेस्ट एवं पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का सर्टिफिकेट भी उपलब्ध नहीं था। यह क्लीनिक डॉ. युसूफ खान द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो कि यूनानी चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक हैं। इसी क्षेत्र में संचालित लाइफ लाइन क्लीनिक में भी निरीक्षण दल जांच के लिए पहुंचा, हालांकि ये क्लीनिक बंद मिला।

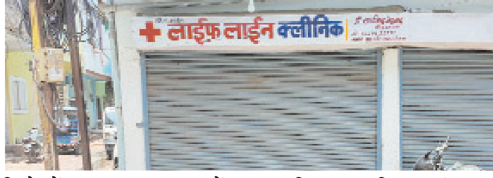

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जिले में अलग अलग स्थानों पर चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन, मप्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम, गुमास्ता लाइसेंस की जांच की जा रही है। निरंतर चल रहे कार्यवाही के कारण कई संचालकों ने अपने क्लिनिक्स बंद रखे हैं। इन क्लिनिक्स पर विभाग की टीम नजर रख रही है। स्थानीय पुलिस, नगर निगम एवं प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि बिना सक्षम अनुमति चिकित्सा व्यवसाय के व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरीक्षण की कार्यवाही निरंतर जारी है। कार्यालय द्वारा जारी लाइसेंस को स्वास्थ्य केंद्रों में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित किया जाना आवश्यक किया गया है।

विश्व सागर दिवस के अवसर पर एनसीसी के एनएसएस विंग के छात्रों द्वारा बोट क्लब पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर आने वाले सैलानियों को पर्यावरण एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

नदियों के उदगमों को करें संरक्षित, इनमें होती है भरपूर ऊर्जा, अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर पूजा-अर्चना कर किया पौध-रोपण

भोपाल नप्र। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को रहटगांव तहसील के ग्राम खूमी में स्थित अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। मंत्री श्री पटेल ने अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधियों के साथ पीपल, बरगद एवं नीम के पौधे लगाए। उन्होंने अधिकारियों को नदी के उद्गम स्थल के आसपास और अधिक पौधे लगाने, तथा लगाए गए पौधों को संरक्षित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे अधिक नदियों के उद्गम स्थल हैं। हमारे प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। हमें नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करना चाहिए, नदियों के उद्गम स्थल पर भरपूर ऊर्जा होती है। उन्होंने कहा कि नदियों के आसपास ट्यूबवेल उत्खनन तथा वृक्षों की कटाई के कारण कई नदियां नष्टहोने के कगार पर हैं। नदियों के स्त्रोतों को जिंदा रखना जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हम नदियों के स्त्रोतों को नष्ट कर रहे हैं और नहरों का पानी नदियों में डालकर खुश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर नदियां होने के बावजूद यहां का जल-स्तर घटना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता नदियों के संरक्षण की है। ज़रूरी है कि नदियों के किनारे वृक्ष लगाएं। मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़वानी से खूमी रोड के साइड शोल्डर भरवाएं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576